Email: etawahexpress24@gmail.com Web: www.etawahexpress.com

# इटावा एक्सप्रेस

आर.एन.आई शीर्षक कोड UPHIN50151, इटावा, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

| वर्ष 2 | अंक 24 | इटावा 14 दिसम्बर 2024 दिन शनिवार | हिन्दी साप्ताहिक | रुपए 2 | पृष्ठ 8 |
|---|---|---|---|---|---|


### संगम नगरी में पीएम मोदी बोले

# महाकुंभ एकता का महायज्ञ है, इसमें हर भेदभाव की दी जाती आहुति

**पीएम मोदी ने कहा कि किसी बाहरी व्यवस्था के बजाय कुंभ, मनुष्य के अंतर्मन की चेतना का नाम है। ये चेतना स्वतः जागृत होती है। यही चेतना भारत के कोने-कोने से लोगों को संगम के तट तक खींच लाती है।**

**प्रयागराज।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम के रूप में महाकुंभ की सफलता के लिए कुंभ कलश का पूजन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने महाकुंभ 2025 के लिए विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया। पीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महाकुंभ एकता का महाकुंभ है जो दुनिया को संदेश देगा। महाकुंभ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। एक ऐसा आयोजन है जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है। संबोधन शुरू करने से पहले संगम की भूमि को किया प्रणाम पीएम मोदी ने संगम को प्रणाम किया। यहां दिन रात काम कर रहे कर्मचारियों और सफाई कर्मियों का अभिनंदन करता हूं। विश्व का इतना बड़ा आयोजन हर रोज लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत और सेवा की तैयारी लगातार 45 दिनों तक चलने वाला महायज्ञ एक नया महानगर बसाने का महाभियान प्रयागराज की धरती पर नया इतिहास रचा जा रहा है। महाकुंभ में 15 हजार से ज्यादा सफाईकर्मी संभालेंगे स्वच्छता व्यवस्था की जिम्मेदारी पीएम मोदी बोले कि गांवों, कस्बों, शहरों से लोग प्रयागराज की ओर निकल पड़ते हैं। सामूहिकता की ऐसी शक्ति, ऐसा समागम शायद ही कहीं ओर देखने को मिले। यहां आकर संत-महंत, ऋषि-मुनि, ज्ञानी-विद्वान, सामान्य मानवी सब एक हो जाते हैं, सब एक साथ त्रिवेणी में डुबकी लगाते हैं। यहां जातियों का भेद खत्म हो जाता है, सम्प्रदायों का टकराव मिट जाता है। करोड़ों लोग एक ध्येय, एक विचार से जुड़ जाते हैं। कुंभ जैसे भव्य और दिव्य आयोजन को सफल बनाने में स्वच्छता की बहुत बड़ी भूमिका है। महाकुंभ की तैयारियों के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाया गया है, प्रयागराज शहर के सैनिटेशन और वेस्ट मैनेजमेंट पर फोकस किया गया है। लोगों को जागरूक करने के लिए गंगादूत, गंगा प्रहरी और गंगा मित्रों की नियुक्ति की गई है। इस बार 15 हजार से ज्यादा मेरे सफाईकर्मी भाई-बहन कुंभ की स्वच्छता को संभालने वाले हैं। मैं आज कुंभ की तैयारी में जुटे अपने सफाईकर्मी भाई-बहनों का अग्रिम आभार भी व्यक्त करता हूं। महाकुंभ, एकता का महायज्ञ... इसमें हर भेदभाव की दी जाती आहुतिः पीएम मोदी पीएम मोदी ने कहा कि किसी बाहरी व्यवस्था के बजाय कुंभ, मनुष्य के अंतर्मन की चेतना का नाम है। ये चेतना स्वतः जागृत होती है। यही चेतना भारत के कोने-कोने से लोगों को संगम के तट तक खींच लाती है। इसलिए मैं फिर एक बार कहता हूं कि ये महाकुंभ, एकता का महायज्ञ है। जिसमें हर तरह के भेदभाव का आहुति दी जाती है। यहां संगम में डुबकी लगाने वाला हर भारतीय एक भारत-श्रेष्ठ भारत की अद्भुत तस्वीर प्रस्तुत करता है।

# बिहार में छात्रों का बवाल

## बीपीएससी की परीक्षा के बाद हुए हंगामे को शांत करने उतरे डीएम, चलाया हाथ; अभ्यर्थियों में आक्रोश

**पटना।** बीपीएससी परीक्षा में पेपर लीक का आरोप लगाते हुए परीक्षार्थियों ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान मामले को शांत करने डीएम भी मौके पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने एक परीक्षार्थी पर हाथ चला दिया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा पूरे बिहार में संपन्न हुई। इस परीक्षा में 4 लाख 83 हजार परीक्षार्थी शामिल हुए। इस दौरान पटना के बापू परीक्षा परिसर में परीक्षार्थियों ने जमकर हंगामा किया। परीक्षार्थियों ने पेपर लीक होने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। इस दौरान मौके पर डीएम पहुंचे और मामले को शांत करने के दौरान एक परीक्षार्थी पर हाथ चलाया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। परीक्षा को लेकर परीक्षार्थियों का आरोप है कि परीक्षा लगभग 12 बजे से शुरू हुई। उनका आरोप यह भी है कि उन्हें समय पर प्रश्नपत्र नहीं मिला। लगभग आधा घंटा के बाद प्रश्न पत्र उन्हें दिया गया था। कुछ अभ्यर्थियों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ परीक्षार्थियों के प्रश्न पत्र फटे हुए भी थे।

## एक राष्ट्र, एक चुनाव लोकतंत्र को नष्ट करने की भाजपा की चाल : राउत

**मुंबई।** संजय राउत ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव लोकतंत्र को नष्ट करने की भाजपा की चाल है और पार्टी अपने स्वार्थी उद्देश्य के लिए इस विधेयक पर जोर दे रही है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव लोकतंत्र को नष्ट करने की भाजपा की चाल है और पार्टी अपने स्वार्थी उद्देश्य के लिए इस विधेयक पर जोर दे रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान संशोधन विधेयक को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। राउत ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि भाजपा अपने स्वार्थी उद्देश्य के लिए एक राष्ट्र, एक चुनाव पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा, एक राष्ट्र, एक चुनाव लोकतंत्र को पूरी तरह से नष्ट करने की चाल है। उन्होंने कहा कि राज्य और राष्ट्र से संबंधित मुद्दे अलग-अलग होते हैं और लोगों को उसी के अनुसार मतदान करना होता है। राउत ने महाराष्ट्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, आपने अभी तक बीएमसी (बृहन्मुंबई नगर निगम) के चुनाव नहीं कराए हैं। हार के डर से आपने नगर निकाय चुनाव नहीं कराए।

# ये देश भय से नहीं चल सकता, ये उठेगा और सत्य मांगेगा : प्रियंका

**नई दिल्ली।** प्रियंका गांधी ने कहा कि 'ये संविधान सिर्फ दस्तावेज नहीं है। इस संविधान के निर्माण में कई नेता वर्षों तक जुटे रहे। इस संविधान ने हर नागरिक को अधिकार दिया कि वो सरकार बना भी सकता है और सरकार बदल भी सकता है। लोकसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान पहली बार बोलते हुए प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। लोकसभा में अपने पहले भाषण के दौरान प्रियंका गांधी 32 मिनट तक बोलीं, इस दौरान उन्होंने जातीय जनगणना, अदाणी मुद्दे, देश की एकता जैसे मुद्दों पर अपनी बात रखी। प्रियंका गांधी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू का जिक्र करके भी सत्ता पक्ष को घेरा और पूछा कि वे अतीत को कब तक कोसते रहेंगे। 'संवाद हमारे देश की परंपरा' प्रियंका गांधी ने कहा कि 'हजारों साल पुरानी हमारे देश की, धर्म की एक पुरानी परंपरा रही है, ये परंपरा संवाद, चर्चा की रही है। एक गौरवशाली परंपरा है, जो दर्शन ग्रंथों, वेदों और उपनिषदों में रही है। अलग-अलग धर्मों में इस्लाम, जैन, सिख धर्म में भी बहस और चर्चा की संस्कृति रही है। इसी परंपरा से हमारे स्वतंत्रता संग्राम उभरा। यह विश्व में अनोखी लड़ाई थी, जो सत्य और अहिंसा पर आधारित थी।

## प्रधानमंत्री बताएं कि बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रहा है भारत : उद्धव

**मुंबई।** उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को संसद को बताना चाहिए कि बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए भारत क्या कदम उठा रहा है। मुंबई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए कहा कि उसका हिंदुत्व केवल वोटों के लिए है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को संसद को बताना चाहिए कि बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए भारत क्या कदम उठा रहा है। मुंबई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए कहा कि उसका हिंदुत्व केवल वोटों के लिए है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में मंदिरों में तोड़फोड़ की जा रही है।

# बूथ से लेकर मुख्य मंडल कॉर्डिनेटर कानपुर मंडल का सफर तय करने वाले पूर्व बसपा जिलाध्यक्ष बलबीर सिंह जाटव ने थामा आजाद समाज पार्टी का दामन ,की चंद्रशेखर आजाद से मुलाकात

## कई बड़े बसपा पार्टी के चेहरों ने की आसपा ज्वाइन

इटावा एक्सप्रेस मोहम्मद आमीन

इटावा बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं बूथ से लेकर मुख्य कॉर्डिनेटर कानपुर मंडल का सफर तय करने वाले पूर्व तेजतर्रार जिलाध्यक्ष बलबीर सिंह जाटव ने आजाद समाज पार्टी की नीतियों को देखते हुए थामा आजाद समाज पार्टी का दामन ,बलबीर सिंह जाटव ने अपनी राजनीति की शुरुआत छात्र जीवन से की इटावा के के डिग्री कॉलेज में भारतीय इतिहास परिषद के गठन करने वाले प्रोफेसर शैलेन्द्र शर्मा ने बलवीर सिंह जाटव की सक्रिय राजनीति को देखते हुए भारतीय इतिहास परिषद का कोषाध्यक्ष बनाया और उसमें भी बलबीर सिंह जाटव ने बढ़चढकर हिस्सा लिया।इसके बाद बसपा पार्टी ने इन्हें दिल्ली नागलोई का जिला प्रभारी भी बनाया, बलबीर सिंह जाटव ने बसपा में अपना काफी समय दिया और वह विधानसभा संयोजक वी बी एफ विधानसभा महासचिव सुलतानपुरी एवं आगरा जिलासंयोजक वी बी एफ , जिला प्रभारी आगरा, विधानसभा संयोजक मुस्लिम भाईचारा उतरी विधानसभा कमला नगर आगरा,इटावा बसपा बूथ सचिव ,सेक्टर महासचिव, पूर्व मुख्य कानपुर जॉन इंचार्ज कानपुर मंडल , एवं बसपा ने इन्हें इटावा जिले का जिलाध्यक्ष भी बनाया। बलबीर सिंह जाटव ने भीम आर्मी चीफ एवं आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगीना सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद से मुलाकात की।बलबीर सिंह जाटव के साथ रहे पूर्व आसपा वरिष्ठ नेता मोहम्मद आमीन भाई ,पूर्व प्रधान गुजराती एवं पूर्व बसपा विधानसभा

अध्यक्ष बसपा प्रभारी रहे लाल सिंह जाटव, हरिशचंद्र गौतम विधानसभा सचिव आदि बसपाइयों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद को शॉल उड़ाकर और बुके भेंट कर सम्मानित किया। आगरा से पहुंचे कई बड़े बसपा नेताओं ने भी बसपा छोड़ आसपा का दामन थामा,आगरा जिलाध्यक्ष एवं लंबे समय से मुख्य कॉर्डिनेटर मंडल आगरा पूर्व प्रधान एवं जिला पंचायत सदस्य वरिष्ठ बसपा नेता संतोष आनंद, पूर्व कोर्डिनेटर बसपा वरिष्ठ नेता देवी सिंह जाटव, कॉर्डिनेटर बसपा आगरा मंडल सौरभ दयाल खटीक, लाखन सिंह चक सेक्टर प्रभारी आगरा मंडल , एडवोकेट मोहम्मद शानू पूर्व बसपा जिला उपाध्यक्ष ,पूर्व मंडल कॉर्डिनेटर मनोज राजपूत आगरा , उत्तर विधानसभा अध्यक्ष आगरा ,संत गाडगे के यूथ अध्यक्ष आकाश दिवाकर,वरिष्ठ बसपा नेता वाजिद अहमद ,वीरेंद्र कुमार उर्फ बीरू, उसायनी ग्राम प्रधान विपिन कुमार फिरोजाबाद , डॉक्टर एम एस अख्तर जिला संयोजक बामसेफ फिरोजाबाद, आदि वरिष्ठ बसपा नेताओं ने आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद से मिलकर उन्हें सम्मानित किया ।वरिष्ठ बसपा नेता संतोष आनंद ने कहा सड़क से लेकर संसद तक गरीब दलित ,मुस्लिम, पिछड़ों की आवाज उठाने वाले हमारे नेता एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद की नीतियों से प्रसन्न होकर हम सभी लोगों ने बसपा छोड़ आजाद समाज पार्टी में शामिल होने का निर्णय लिया और आगे भी कई बड़े बसपाई चेहरे आजाद समाज पार्टी में शामिल होंगे। बलबीर सिंह जाटव ने आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद से मुलाकात कर कहा कि ऐसा नेता हमने कभी नहीं देखा जो अपने समाज और जहां भी दलित मुस्लिम पिछड़ों पर अत्याचार होता है वह वहां पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचता और हर सम्भव पीड़ित को न्याय दिलाने का काम करता है।ऐसे नेता का साथ हमारे लिए सौभाग्यसाली है।

# थाना जसराना पुलिस टीम द्वारा नाबालिक को बहला फुसलाकर ले जाने वाले अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

फिरोजाबाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाये जा रहे विशेष अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण में एवं

क्षेत्राधिकारी जसराना के कुशल नेतृत्व में दिनांक 13—12—2024 को थाना जसराना पुलिस टीम द्वारा नाबालिक को बहला फुसलाकर ले जाने से सम्बन्धित थाना जसराना पर मुकदमा 0452 / 24 धारा 87 / 137(2) बी एन एस में वाँछित अभियुक्त रिंकू उर्फ रजनेश पुत्र रामब्रेश निवासी नगला पूसे थाना जसराना फिरोजाबाद को मुखबिर खास की सूचना पर सरस्वती कॉलोनी थाना पल्ला सैक्टर 91 फरीदाबाद हरियाणा से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के विरूद्ध थाना हाजा पर पंजीकृत है । अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्यवाही कर न्यायलय के समक्ष पेश किया जा रहा है ।

# सैफई आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय से ई–रिक्शा व स्टेडियम के सामने से फल विक्रेता की रेहड़ी चोरी

इटावा एक्सप्रेस सैफई

इटावा सैफई थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही है। उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में सवारी छोड़ने आया ई रिक्शा चालक जैसे ही चाय पीने गया पलक झपकते ही ई रिक्शा को अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। दूसरी घटना थाने के ठीक सामने मात्रा 200 मीटर दूरी पर चंदगीराम स्टेडियम के सामने घटित हुई जहां फल विक्रेता की रेहड़ी चोरी कर ली गयी। ई रिक्शा चालक ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। जसवंतनगर थाना क्षेत्र के ग्राम नगला हुलासी निवासी अमित कुमार पुत्र रंधीर सिंह ने थाने में मामला दर्ज कराते हुए बताया वह ई–रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण करता है। जसवंतनगर से ई रिक्शा में सवारी भरकर सैफई अस्पताल आया था। गेट नंबर 3 के पास सवारियों को उतार कर ई रिक्शा खड़ा करके चाय पीने चला गया। वापस आया तो उसका ई रिक्शा वहां से गायब था। पीड़ित ने आसपास के लोगों से ई–रिक्शा के बारे में जानकारी की तो कोई पता नहीं लगा। पीड़ित ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। दूसरी चोरी की घटना ग्राम नगला अजाब निवासी चंद्रपाल के साथ घटित हुई चंद्रपाल चंदगीराम स्टेडियम के सामने फल की रेहड़ी लगाता है वह गरीब व्यक्ति है व किराए पर रेहड़ी ले रखी थी। बुधवार को शाम को वह रेहड़ी में ताला लगाकर घर चला गया सुबह आकर देखा तो रेहड़ी का ताला तोड़कर अज्ञात चोर रेहड़ी को चोरी कर ले गए इसके अलावा नवंबर माह में थाना क्षेत्र के चौबेपुर तिराहे से इसी क्षेत्र के गांव नगला सेऊ निवासी प्रदीप कुमार की मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। पीजीआई में इलाज करा रहे मरीज के तीमारदार फर्रुखाबाद निवासी संजू कुमार का मोबाइल चोरी हो गया था। 19 नवंबर को किसान बाजार घंटाघर से उझियानी गांव निवासी अनीता देवी की अपाचे मोटरसाइकिल चोरी हो गई। मालूम हो कि बाइक,ई रिक्शा आदि चोरी होने की घटना की प्राथमिकी दर्ज कराने में भी वाहन मालिकों के पसीने छूट जाते हैं। कई बाइक मालिकों के आवेदन थाना में रखे हुए हैं लेकिन उनकी प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है।

# जनपद प्रदर्शनी पंडाल में स्थानीय कवि सम्मेलन सम्पन्न

इटावा एक्सप्रेस डॉक्टर सुशील सम्राट

इटावा, जनपद प्रदर्शनी पंडाल में शुक्रवार की शाम स्थानीय कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रदर्शनी समिति के जनरल सेक्रेट्री विक्रम सिंह राघव ने दीप प्रज्वलन करके किया और अपने संबोधन में कहा कि इस मंच से निकले स्थानीय कवियों ने राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी इटावा जिले का नाम रोशन किया है। इससे पूर्व सम्मेलन के संयोजक विश्वंभरनाथ भटेले एवं सह संयोजक सुरेश दुबे ने मुख्य अतिथि समेत सभी कवियों का अंग वस्त्र एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। मंच पर परंपरानुसार दो वरिष्ठ कवियों, प्रेम बाबू प्रेम और गोविंद माधव शुक्ला का शॉल ओढाकर तथा दिबियापुर से पधारे भागवताचार्य पंडित राघवेंद्र शुक्ला का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के पहले सत्र का संचालन डॉक्टर सुशील सम्राट ने तथा कवि सम्मेलन का संचालन सतीश चन्द्र दीक्षित अनपढ़ ने किया। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार ब्रजानंद शर्मा ने की। कार्यक्रम का शुभारम्भ कवियत्री मंजू यादव की सरस्वती वंदना, ष्हंस वाहिनी शारदा माता कर दो ज्ञान सवेराष् से हुआ। सुधीर मिश्र ने ष्आओ हिंदी की कर लें वंदना, है यही

अपने भारत की अल्पनाष् रचना से हिंदी वंदना की। प्रेम बाबू ष्प्रेमष् ने ष्पुरवा कहियो जाय सजन सेष् लोकगीत सुनाया। बरेली से पधारी अतिथि कवियत्री उन्नति राधा शर्मा ने श्रृंगार की रचनाओं से समा बांधा। उनकी रचना, ष्कलो हमारे नसीब में जो लिखा है मिलकर गुजार लेंगे। करो तो हिम्मत बढ़ो तो आगे नसीब जो भी संवार लेंगेष् खूब सराही गई। कवि एवं गजलकार अशोक यादव ने ष्प्यार का पहला गीत तुम्हीं हो, जीवन का संगीत तुम्हीं हो, रचना सुनाकर श्रीति की खूब वाहवाही लूटी। गोविंद माधव शुक्ला ने ष्मैं महानगर में रहती हूं, पाती अच्छी तनखा मोटी, मां ने भेजा बाजरा आज घर, बनी बाजरे की रोटीष् रचना सुनाई। भरथना से आए कवि महेश मंगल ने, रुकावट के डर से सफर को न टालें, चट्टानें वट्टानें चलो तोड़ डालेंष् गजल सुनाकर खूब तालियां बटोरीं। देवेश शास्त्री ने,ष्ये कैसा कोलाहल कैसा हाहाकार है। चारों ओर दिखाई पड़ता भीषण नर संहार हैष् रचना से आज के माहौल पर करारी चोट की। अवनीश त्रिपाठी ने, ष्बार बार बंधे जूड़ा, बार बार खुल जाएष्, रचना सुनाकर खूब गुदगुदाया। वंदना तिवारी की रचना, ष्याव गोपी सा हो कृष्ण मिल जाएगा। प्रेम का दीप फिर दिल में जल जाएगाष् भी खूब सराही गई। इसके अलावा अवधेश भ्रमर, दीप चंद त्रिपाठी निर्बल, सुनील कुमार अवस्थी, प्रेम नारायण त्रिपाठी, कुमार वैभव, रजनीश त्रिपाठी ,सत्यनारायण वर्मा, प्रमोद तिवारी हंस, प्रशांत शर्मा, शिव गोपाल अवस्थी, हर्ष शर्मा, प्रशांत तिवारी, श्री राम राही की रचनाएं भी खूब सराही गईं। अंत में संयोजक विश्वंभर नाथ भटेले ने सभी का आभार जताया।

# केंद्रीय मंत्री एस पी बघेल ने किया अहिल्याबाई होलकर पर लिखी पुस्तक का विमोचन

इटावा एक्सप्रेस सुघर सिंह सैफई

नई दिल्ली । राजमाता अहिल्याबाई होलकर चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित साहित्य श्जाग मुसाफिर जागश होलकर राजवंश पुस्तक का विमोचन केंद्रीय राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल के द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजमाता अहिल्याबाई होलकर चौरिटेबल ट्रस्ट दिल्ली के संयोजक राकेश पाल व उदय पाल प्रदीप बघेल भी उपस्थित रहे । लेखक दीप सिंह पाल दिल्ली ने बताया प्रोफेसर रामदुलारे कुशवाहा जी व वैद्य चंद्रभानु के सहयोग से साहित्य भलीभांति पूर्ण हुआ । सभी साथियों का आभार जताया। केंद्रीय राज्य मंत्री

प्रोफेसर एस पी सिंह बघेल जी का बधाई संदेश भी हमारे साहित्य मे छपने का सौभाग्य मिला । इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश गुप्ता, सहकारी बैंक चेयरमैन निरंजन सिंह धनगर, हरपाल सिंह धनगर आदि सदस्य मौजूद रहे।

# फिरोजाबाद राष्ट्रीय लोक अदालत का हुआ आयोजन

इटावा एक्सप्रेस फिरोजाबाद

उच्च न्यायालय प्रयागराज डॉक्टर गौतम चौधरी जी की अध्यक्षता में जनपद फिरोजाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन मुख्यालय स्थित केन्द्रीय सभागार में किया गया । इस आयोजन में माननीय जिला जज फिरोजाबाद, जिलाधिकारी फिरोजाबाद एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद एवं अन्य जिला स्तरीय न्यायिक अधिकारी, राजस्व अधिकारी, अभियोजन अधिकारी व अन्य पुलिस अधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया । लोक आदलत का उद्देश्य आम जनता के लिये न्यायिक प्रक्रिया को सुगम सरल व शीघ्र न्याय दिये जाने व अधिक से अधिक वादो को निस्तारण किये जाने के लिए समय–समय पर माननीय न्यायलय के निर्देशानुसार आयोजन किया जाता है

# अज्ञात नंबर से सुघर सिंह पत्रकार व उनके पुत्र को गोली मारने व बम से उड़ाने की मिली धमकी, थाना सैफई पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज

**कई दिनों से अभियुक्त कर रहे थे सुघर सिंह पत्रकार की रेकी, बातचीत में अभियुक्तों ने कबूला,पूर्व में भी दो बार मिल चुकी है जान से मारने की धमकी,अभियुक्तो के विरुद्ध चार्जसीट न्यायालय में प्रेषित,सुघर सिंह पत्रकार ने मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव गृह, डीजीपी, एसएसपी इटावा को पत्र भेजकर की सुरक्षा दिए जाने की मांग**

सैफई इटावा एक्सप्रेस )
इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन के उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार सुघर सिंह को शुक्रवार /शनिवार की रात 11रू48 बजे से 12रू07 बजे तक एक नंबर से तीन अज्ञात व्यक्ति द्वारा लगातार गंदी–गंदी गाली गोली मारने, व बम से उड़ाने, बेटे को गोली मारने की धमकी दी गई। सुघर सिंह पत्रकार द्वारा इस संबंध में थाना सैफई पुलिस को शिकायत की गई थी थाना पुलिस ने तत्काल मुकदमा पंजीकृत करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी।

सैफई के सुघर सिंह पत्रकार ने बताया कल रात्रि वह अपने घर पर मौजूद थे इस दौरान 11रू 48 बजे 12रू07 बजे तक मोबाइल नंबर 6266802365 से मेरे मोबाइल नंबर 9457262323 पर कॉल आई और कॉल करने वाले ने अनर्गल बातचीत करते हुए झूठे आरोप लगाते हुए गंदी गंदी गाली व जान से मारने की धमकी दी और बोला मैं काफी दिनों से तेरी रेकी कर रहा हूं लेकिन तू हर बार बच जाता है तुझे मारने का कई बार हमने प्रोग्राम बनाया लेकिन सफलता नहीं मिली। 2025 तक तुझे गोली मार दूंगा और तेरे लड़के की भी हत्या कर दूंगा तुझे ऐसी चोट दूंगा जो तू जिंदगी भर याद रखेगा इसके अलावा आरोपी ने बम से उड़ाने की भी सुघर सिंह पत्रकार को धमकी दी उक्त घटना के बाद सुघर सिंह पत्रकार द्वारा डीजीपी कंट्रोल रूम, डायल 112, एसएसपी इटावा, थाना सैफई पुलिस को सूचना दी। रात्रि में पुलिस ने मौके पर पहुंच कर धमकी देने बाले को फोन किया लेकिन फोन नही उठा। शनिवार को सुघर सिंह पत्रकार के द्वारा थाना सैफई में दी गई तहरीर के आधार पर अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। मुकदमे की जांच पीजीआई चौकी इंचार्ज मोहन वीर द्वारा की जा रही है।

# बेटे को शराब पिलाकर स्टाम्प पेपर पर लिखवा ली जमीन

**विधवा महिला पीड़िता ने एस डी एम, सीओ, थानाध्यक्ष सैफई से की शिकायत**

इटावा एक्सप्रेस ब्यूरो
इटावा सैफई थाना सैफई के ग्राम नगला सुभान की विधवा महिला सुदामा देवी ने गांव के नामजद पर बेटे को शराब पिलाकर स्टाम्प पेपर पर हस्ताक्षर करवाकर जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। एसडीएम सैफई ने थानाध्यक्ष सैफई को पूरे मामले की जांच का आदेश दिया है। नगला सुभान निवासी विधवा सुदामा देवी पत्नी स्वर्गीय सोवरन सिंह ने बताया कि मेरे पुत्र रजनेश कुमार को गांव के राजपाल सिंह पुत्र मुंशीलाल ने शराब पिलाई और 100 रुपये के स्टाम्प पेपर पर 35 हजार रुपये में जमीन बेचने के हस्ताक्षर करवा लिये। और 10 हजार का अलग तहसील का खर्च भी बताया गया। जब कि इस मामले की भनक जमीन मालिक महिला व उसके परिवारियों को नहीं हुई। इसमे सबसे ताज्जुब बाली बात रही कि उक्त जमीन बिक भी गयी और गांव के 10 –12 लोगों ने गवाह के तौर पर अपने अपने हस्ताक्षर भी कर दिए। उक्त मामले वर्ष 2021 का है वृद्ध महिला थाना तहसील में भटकती रही लेकिन उसकी कोई सुनबाई नहीं हुई फिर उसकी मदद के लिए उसके बेटी दामाद आगे आये और उन्होंने पैरवी की तो उप जिलाधिकारी सैफई ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिया। प्रभारी निरीक्षक थाना सैफई ने हल्का इंचार्ज नूर मोहम्मद को जांच सौंपी है। इस मामले में जब नूर मोहम्मद से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मौके पर जाकर जांच की गई है जमीन की असल मालिक वृद्ध महिला है दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया है लेकिन बिपक्षी थाने नहीं आये है वादी थाने पर मौजूद है आगे जांच कर कार्यवाही की जाएगी। बेटे की हो सकती है हत्या रू सुदामा देवी उक्त जमीन की मालिक सुदामा देवी ने बताया कि बिपक्षी ने मेरे लड़के को शराब पिलाकर स्टाम्प पेपर पर साइन करवा लिए और फर्जी तरीके से मेरी जमीन पर कब्जा कर लिया। अब शिकायत के बाद इसमें जो 10 –12 लोग गबाह थे वो भी इसमें आरोपी बन रहे है यह सब मेरे लड़के को मारने के लिए खोज रहे है मेरे लड़के की उक्त लोग हत्या कर सकते है। क्यों कि मेरे लड़के ने स्पष्ट बता दिया है कि राजपाल ने मुझे एक रुपया नहीं दिया और शराब के नशे में मेरे साइन करवा लिए।

# समस्त निर्वाचन योग्य समितियों को किया गया निर्देशित

इटावा 13 दिसम्बर, 2024 परिक्षेत्रीय सहायक आयुक्त हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग इटावा परिक्षेत्र सुनील कुमार यादव ने अवगत कराया कि निर्वाचन आयुक्त, उत्तर प्रदेश राज्य सहकारी समिति निर्वाचन आयोग लखनऊ के आदेश संख्या–सी–39 रा.स.नि.आ./69 (3)–सह. प्रा. दिनांक 10 दिसम्बर 2024 के द्वारा हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग उत्तर प्रदेश कानपुर की समस्त निर्वाचन योग्य प्रारंभिक समितियों की प्रबंध कमेटी के निर्वाचन के सम्बन्ध प्रबंध कमेटी के सदस्यों के निर्वाचन हेतु दिनांक 16/01/2024 एवं सभापति, उपसभापति, तथा अन्य समितियों को भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों के निर्वाचन हेतु दिनांक 17/01/2024 की तिथियां निर्धारित करते हुए निर्वाचन कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। अतः समस्त निर्वाचन योग्य समितियों को निर्देशित किया जाता है कि अति शीर्घ निर्वाचन शुल्क जमा कराते हुए एवं निर्वाचन सम्बन्धी समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कराते हुए निर्वाचन प्रस्ताव कार्यालय सहायक आयुक्त हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग इटावा परिक्षेत्र इटावा को उपलब्ध कराएं।

## 12 दिसंबर को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास भवन प्रेरणा सभागर में पेंशनर्स दिवस आयोजित किया जायेगा

**जनपद के सभी विभागाध्यक्षों एवं कार्यालयाध्यक्षों द्वारा प्रतिभाग किया जाना अनिवार्य है(डोगरा शक्ति वरिष्ठ कोषाधिकारी)**

इटावा एक्सप्रेस
इटावा 11 दिसम्बर 2024(डोगरा शक्ति) वरिष्ठ कोषाधिकारी ने अवगत कराया कि कोषागार इटावा से पेंशन प्राप्त करने वाले समस्त पेंशनरों/पारिवारिक पेंशनरों एवं जनपद इटावा के समस्त कार्यालयाध्यक्षों /विभागाध्यक्षों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 17.12.2024 (मंगलवार) को प्रातः 11:30 बजे से जिलाधिकारी इटावा की अध्यक्षता में विकास भवन के नवीन प्रेरणा सभागार में पेंशनर्स दिवस आयोजित किया जायेगा, जिसमें जनपद के सभी विभागाध्यक्षों एवं कार्यालयाध्यक्षों द्वारा प्रतिभाग किया जाना अनिवार्य है, ताकि पेंशनरों की ऐसी समस्याएं जिनका निराकरण कार्यालयाध्यक्षों/विभागाध्यक्षों द्वारा किया जाना है, की भी सुनवाई हो सके। साथ ही जनपद के सभी पेंशनर्स संगठनों के पदाधिकारी एवं पेंशनर्स स्वयं भी अपनी समस्याएं एवं तत्सम्बन्धी सुझाव देने हेतु आमंत्रित किये जाते है।

# 26.12.2024 को अपराન્હ 3ः बजे निष्प्रयोज्य वाहन की होगी नीलामी

इटावा 12 दिसम्बर,2024 सदस्य नीलामी समिति /कार्यालय उपायुक्त (प्रशासन) राज्य कर, इटावा ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि उपायुक्त (प्रशासन) राज्य कर इटावा के नुमाईश चौराहा इटावा स्थित कार्यालय में दिनांक 26.12.2024 को अपरान्ह 3रू बजे निष्प्रयोज्य वाहन की नीलामी होगी। वाहन संख्या एवम प्रकार यू पी 75 जी 0183 टाटा सूमो, जमानत (नकद) 5000 रुपए

शर्ते 1–बोली बोलने से पूर्व नकद जमानत जमा करनी होगी। संस्तुति योग्य बोली बोलने वाले व्यक्ति की जमानत धनराशि रोक ली जायेगी। अन्य जमानत धनराशि तुरन्त वापस कर दी जायेगी। 2.नीलामी बोली को संस्तुति योग्य पाये जाने पर नीलामी समिति अपनी संस्तुति आयुक्त, राज्य कर उत्तर प्रदेश लखनऊ को भेजेगी। आयुक्त, राज्य कर उत्तर प्रदेश लखनऊ की स्वीकृति प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर शेष धनराशि एंव वाणिज्य कर (जी एस टी ) जमा करके वाहन को ले जाना होगा। 3.वाहन जहाँ है, जैसा है के आधार पर नीलामी होंगी। 4. बोली / नीलामी को निरस्त करने का अधिकार नीलामी समिति का ही होगा।

# निशुल्क स्वास्थ्य शिविर सफल बनाने के लिए हुई बैठक

शिविर में पहुंचने की अधिकारियों और कर्मचारियों से की गई अपील
ब्यूरो इटावा एक्सप्रेस राजीव यादव
इटावा दिनांक 12/12/2024 को कर्मचारी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशनउत्तर प्रदेश के प्रान्तीय अध्यक्ष राजीव यादव, प्रान्तीय महामंत्री अरविंद धनगर के नेतृत्व में कर्मचारी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों ने स्वास्थ्य शिविर दिनांक 15/12/2024 स्थान कर्मक्षेत्र महाविद्यालय इटावा को सफल बनाने के लिए, राजकीय इंटर कालेज इटावा, कोषागार इटावा दबव कार्यालय इटावा ‴,व ऑफिस इटावा वैठक कर वहां के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वास्थ्य शिविर की जानकारी दी और समय से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में पहुंचने की अपील की।इस अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज इटावा के प्रधानाचार्य डॉक्टर दीपक कुमार सक्सेना ‴,व कार्यालय के रामबाबू यादव छ,६,६ कार्यालय के मनोज कुमार कोषागार कार्यालय के अरुण कुमार मनोज कुमार अश्वनी यादव सुदीप त्रिपाठी एवम् एसोसिएशन के पदाधिकारी , प्रमोद राजपूत प्रीतम भारद्वाज राजीव बाल्मीकि लखीचंद, भईया लाल,रामकुमार शाक्य, सुदीप कमल, गुलशन रिषी यादव, वीकेश कुमार, अनिल वाजपेयी, आनंद शुक्ला, अरूण कुमार, मनोज कुमार, डॉक्टर प्रभाकर शाक्य, रामविलास यादव, आदि मौजूद रहे।

## सम्पादकीय

# सुविधा की निकासी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ ने अपने खाताधारकों को अगले साल से सीधे एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा देने का फैसला किया है। अब तक विभागीय जटिल प्रक्रिया व लालफीताशाही के चलते कर्मचारियों को जरूरत पड़ने पर अपना ही पैसा निकालने के लिये दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। कुल मिलाकर धन निकासी में विभागीय हस्तक्षेप कम करने का प्रयास किया गया है। निश्चित रूप से श्रम मंत्रालय की यह पहल सामाजिक सुरक्षा को सरल बनाने की दिशा में एक बड़ा बदलावकारी कदम है। यह कदम दक्षता सुधार व कर्मचारियों की अपने पैसे तक पहुंच बढ़ाने के लिये सार्वजनिक सेवा के साथ प्रौद्योगिकी के एकीकरण का अच्छा उदाहरण है। दरअसल, फिलहाल ईपीएफओ की निकासी प्रक्रिया में देरी के कारण खाताधारकों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। काफी समय के बाद जरूरतमंदों के खाते तक जरूरी राशि पहुंच पाती है। निश्चय ही पीएफ निकासी कार्ड का उद्देश्य उस लालफीताशाही को दूर करना है, जिसके चलते कर्मचारियों को पैसा समय पर मिल पाएगा। वैसे कुल राशि का पचास फीसदी निकासी सीमा तय करना, वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने तथा दीर्घकालीन बचत सुरक्षा को बढ़ावा देना वाला कदम ही है। इसके अलावा भी ईपीएफओ अपने व्यापक एजेंडे के साथ आगे बढ़ रहा है, जिसमें योगदान की सीमा बढ़ाना, भविष्य निधि बचत को पेंशन के रूप में परिवर्तित करना भी शामिल है। निश्चित रूप से यह पहल सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को ही उजागर करती है। जिसका मकसद अपने कार्यबल के लिये डिजिटलीकरण को बढ़ाना तथा जीवनयापन को आसान बनाना भी है। यह सुखद ही है कि वर्ष 2017 के बाद ईपीएफओ के सत्तर मिलियन सदस्य बढ़े हैं। उल्लेखनीय है कि इस नई सुविधा के लिये संगठन ने अपने खाताधारकों को एक विशेष पीएफ कार्ड देने का निर्णय लिया है। जो बैंक के एटीएम कार्ड की तरह काम करेगा।बहरहाल, खाताधारक अगले साल जनवरी से अपने कार्ड के जरिये अपने खातों से सीधा पैसा निकाल सकेंगे। निस्संदेह, अब खाताधारकों के लिये पीएफ क्लेम करना और आसान हो जाएगा। वहीं एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा के बाद इसमें मानवीय हस्तक्षेप हो जाएगा। लेकिन एक बार में खाताधारक पीएफ बैलेंस का अधिकतम पचास फीसदी धन ही निकाल पाएंगे। विभाग का कहना है कि आईटी सिस्टम को उन्नत किया जा रहा है ताकि क्लेम प्रक्रिया को आसान व तेज बनाया जा सके। अब खाताधारकों को ईपीएफओ ऑफिस जाने अथवा लंबी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं होगी। उपभोक्ता चौबीस घंटे, यहां तक कि छुट्टियों में भी पैसा निकाल सकेंगे। जिससे आपातकालीन जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। हालांकि, फिलहाल भी विशेष परिस्थितियों मसलन घर खरीदने, बच्चों की पढ़ाई, शादी व बीमारी पर एक निश्चित रकम निकालने का प्रावधान है। उसमें भी नौकरी की कार्यावधि तथा धन की निर्धारित रकम तक की सुविधा ही शामिल है। ऐसे ही सेवानिवृत्ति से कुछ समय पहले तक एक बड़ी रकम निकालने की सुविधा भी शामिल है। दरअसल, केंद्र सरकार अपने सामाजिक दायित्व को विस्तार देने के क्रम में कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम कर रही है। जिसमें सरकार गिग व प्लेटफॉर्म वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा देने के मकसद से इन कामगारों को चिकित्सा संरक्षण, डिसएबिलिटी सपोर्ट और पीएफ सुविधाएं देना शामिल है। फिलहाल इन्हें परंपरागत कर्मचारी व्यवस्था के लाभ नहीं मिल रहे हैं। इस तरह ईपीएफओ अपने सक्रिय सदस्यों की सुविधाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में बढ़ी है। मकसद यही है कि उन्हें अधिक सुविधाएं दे सके। निश्चित रूप से हमारे श्रम बाजार को औपचारिक बनाने, भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने तथा सामाजिक सुरक्षा के मद्देनजर इस कार्यबल को मेडिकल कवर व वित्तीय सहायता देना न्यायसंगत ही होगा। सरकार की पहल प्रौद्योगिकी संचालित सामाजिक कल्याण ढांचे में बदलाव की ओर संकेत देती है। इससे व्यवस्था परिचालन की विसंगतियों को दूर करते हुए नागरिक केंद्रित सेवाओं में सुधार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का भी पता चलता है। निश्चित रूप से यह कदम कर्मियों के कल्याण के मद्देनजर समानता व सुविधा के साथ सार्वजनिक संस्थानों के प्रति भरोसा बढ़ाने वाला भी है।

# ब्रिक्स मुद्रा का सपना और डॉलर विरोधी अभियान ट्रम्प की नयी चिंता

नन्तू बनर्जी

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नौ सदस्यीय ब्रिक्स प्लस देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ (आयात शुल्क) लगाने की धमकी दी है,यदि वे अमेरिकी डॉलर को एक आम ब्रिक्स मुद्रा से बदलने की कोशिश करेंगे। इसे ट्रम्प की ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा की ब्रिक्स देशों के लिए अलग मुद्रा के प्रस्ताव पर घबड़ाहट ही कहा जायेगा। लूला ने अमेरिकी डॉलर विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के प्रति बढ़ती भेद्यता

को कम करने के लिए यह प्रस्ताव दिया है। राष्ट्रपति लूला ने पिछले साल अगस्त में जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आम ब्रिक्स मुद्रा का प्रस्ताव रखा था। हाल ही में, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कजान (रूस) में आयोजित नवीनतम ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में एक नयी अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्रणाली का आह्वान करते हुए कहा कि श्डॉलर का उपयोग एक हथियार के रूप में किया जा रहा है।य कजान शिखर सम्मेलन ने वैश्विक दक्षिण के साथ संबंधों को बढ़ावा देने की ब्रिक्स की महत्वाकांक्षा और विशेष रूप से वैश्विक वित्तीय और व्यापार प्रणाली में एक वैकल्पिक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को आकार देने के इसके उद्देश्य को रेखांकित किया। जाहिर है, अमेरिकी डॉलर के लिए एक वैकल्पिक मुद्रा को पेश करने का विचार ट्रम्प को पसंद नहीं आया, जिन्होंने इस विषय पर या भौगोलिक, राजनीतिक, व्यापार और आर्थिक विविधताओं को देखते हुए इस तरह की प्रतिस्पर्धी नयी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बनाने में शामिल जमीनी स्तर की कठिनाइयों के बारे में ज्यादा सोचे बिना ही घबड़ाहट में प्रतिक्रिया व्यक्त की। नौ ब्रिक्स राष्ट्र - ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात- चार महाद्वीपों में फैले हुए हैं। ब्रिक्स देशों में सबसे बड़ा और सबसे प्रभावशाली चीन, खुद एक आम ब्रिक्स मुद्रा रखने में दिलचस्पी नहीं रखता है, कम से कम अभी के लिए। चीन की रेनमिनबी अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से महत्व प्राप्त कर रही है, लेकिन उसके द्वारा अमेरिकी डॉलर को प्रभावित करने की संभावना नहीं है, जो दुनिया की मुख्य आरक्षित मुद्रा है जो वैश्विक विदेशी मुद्रा भंडार का लगभग 58 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करती है। चीन अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े कर्जदार देशों में एक है, जिसका अकेले अमेरिकी सरकारी प्रतिभूतियों में करीब 775 बिलियन डॉलर का निवेश है। चीन कई दशकों से अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिभूतियां खरीद रहा है। कई लोगों का मानना है कि ब्रिक्स मुद्रा बनाने का विचार व्यावहारिक से ज्यादा राजनीतिक है। इस परियोजना की अवधारणा बनाना आसान है, लेकिन उचित योजनाओं के साथ इस पर विचार करना आसान नहीं है। इसके लिए बैंकिंग संघ के साथ-साथ राजकोषीय संघ की स्थापना की आवश्यकता होगी। इस प्रणाली से बाहर रहने वाले देशों से निपटने के लिए एक अनुशासनात्मक तंत्र होना चाहिए। इसके लिए एक साझा केंद्रीय बैंक की आवश्यकता होगी। व्यापार असंतुलन एक बड़ी समस्या बन सकता है। नौ ब्रिक्स देशों में से, चीन का व्यापार संतुलन उसके पक्ष में करीब एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। पिछले साल चीन का वैश्विक व्यापारिक अधिशेष करीब 823.2 बिलियन डॉलर था, जिसमें निर्यात करीब 3.38 ट्रिलियन डॉलर और आयात करीब 2.56 ट्रिलियन डॉलर था। जबकि भारत का व्यापार घाटा 240 बिलियन अमेरिकी डॉलर है, जिसमें से लगभग आधा चीन के साथ है। भारत, मिस्र और इथियोपिया आयात पर अधिक और निर्यात पर कम निर्भर हैं, जिससे उनका व्यापार संतुलन घाटे में है। ब्रिक्स के सभी सदस्य देशों का मुख्य व्यापारिक साझेदार चीन है। वे एक-दूसरे के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं। ब्रिक्स देशों की व्यक्तिगत व्यापार, आर्थिक और कूटनीतिक चिंताएं आर्थिक संभावनाओं और भू-राजनीतिक प्रभाव के बीच जटिल अंतर्संबंध को उजागर करती हैं। यह आलोचनात्मक रूप से जांचना महत्वपूर्ण हो सकता है कि ये गतिशीलता स्थापित शक्ति विन्यास और गठबंधनों को कैसे आकार देती है। अभी तक, चीन अमेरिका में निवेश को सुरक्षित और स्थिर मानता है। सैद्धांतिक रूप से, चीन प्रतिशोधात्मक उपाय के रूप में अपने अमेरिकी ऋण होल्डिंग्स को बेच सकता है, लेकिन ऐसा होने की संभावना बहुत कम है क्योंकि बड़ी मात्रा में ऋण का निपटान चीन के लिए जोखिम भी पैदा करेगा। पिछले कुछ वर्षों में, चीन की निर्यात-केंद्रित अर्थव्यवस्था अमेरिका की कीमत पर फली-फूली, जो चीनी माल का सबसे बड़ा आयातक है। 2023 में चीन से आयात में $109 बिलियन की गिरावट के बावजूद, चीन के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा $279.4 बिलियन था। पिछले साल चीन के साथ अमेरिका के व्यापार का कुल मूल्य लगभग $575 बिलियन था। चीन डोनाल्ड ट्रम्प के चार साल के कार्यकाल के दौरान कम व्यापार और निवेश प्रोफाइल बनाये रख सकता है, जो दोनों देशों के बीच शत्रुतापूर्ण व्यापार और आर्थिक संबंधों को समय के साथ कम करने की उम्मीद करता है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग वैकल्पिक वैश्विक वित्तीय और व्यापार प्रणाली के लिए लूला-पुतिन के प्रस्ताव को जल्दबाजी में लेने की संभावना नहीं है। इसके अलावा, राजनीतिक और आर्थिक रूप से परिपक्व चीन पूरी तरह से जानता है कि अमेरिकी डॉलर के लिए एक वैकल्पिक आरक्षित मुद्रा के रूप में ब्रिक्स मुद्रा को एक साथ रखना अल्प या मध्यम अवधि में संभव नहीं है। संयोग से, चीन की तरह, भारत, दूसरी सबसे बड़ी ब्रिक्स अर्थव्यवस्था, ने अभी तक अमेरिकी डॉलर के लिए एक वैकल्पिक मुद्रा के लिए दबाव नहीं डाला है। हालांकि, वैश्विक व्यापार और वाणिज्य पर पर्याप्त अमेरिकी डॉलर की पकड़ को अस्थिर करने के लिए ब्रिक्स मुद्रा के जल्द ही आने की संभावना से अधिक, अगले अमेरिकी राष्ट्रपति को डी-डॉलरीकरण की प्रक्रिया के बारे में अधिक चिंतित होना चाहिए जो विशेष रूप से यूक्रेन के बाद रूस के खिलाफ अमेरिकी व्यापार और वित्तीय प्रतिबंध के बाद जमीन हासिल कर रहा है।

रूस कई पश्चिमी यूरोपीय देशों, चीन, सऊदी अरब और यूएई सहित पश्चिमी एशियाई देशों और भारत के साथ ऊर्जा व्यापार में खुशी से लगा हुआ है। लंबे समय से चल रहे यूक्रेन युद्ध ने द्विपक्षीयता को एक नया धक्का दिया है क्योंकि अधिक से अधिक आयातक और निर्यातक, साथ ही उधारकर्ता, ऋणदाता और मुद्रा व्यापारी स्वतंत्र रूप से अन्य मुद्राओं के उपयोग पर निर्णय ले रहे हैं। यह डी-डॉलरीकरण प्रक्रिया को मजबूत कर रहा है, तथा अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली पर कई तरह के प्रभाव पैदा कर रहा है, जिसमें विनिमय दर की अस्थिरता, व्यापार पैटर्न में संभावित परिवर्तन शामिल हैं और स्थापित वित्तीय संस्थानों के लिए चुनौतियां पेश कर रहा है। तथाकथित ब्रिक्स मुद्रा प्रस्ताव एक गैर-मुद्दा है जबकि डी-डॉलरीकरण प्रक्रिया अमेरिका को एक वास्तविक खतरे के रूप में चिंतित करेगी। कमोडिटी स्पेस में, ऊर्जा लेनदेन की कीमत गैर-अमेरिकी मुद्राओं में बढ़ रही है। यह भी ध्यान रखना दिलचस्प हो सकता है कि केंद्रीय बैंक, विशेष रूप से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में, अमेरिकी डॉलर-केंद्रित वित्तीय प्रणाली से दूर जाने के लिए अपने सोने के भंडार बढ़ा रहे हैं।

जे.पी. मॉर्गन की वैश्विक कमोडिटी रिसर्च टीम के अनुसार, केंद्रीय बैंकों ने सामूहिक रूप से 2022 में 1,136 टन सोना खरीदा, जो रिकॉर्ड पर सबसे अधिक वार्षिक मांग है, और 2023 में 1,037 टन और खरीदा।

## डीएम अवनीश कुमार राय, एसएसपी संजय वर्मा ने ट्रैक्टर–ट्रालियों में रिफ्लेक्टिव टेप लगाने के जागरूकता कार्यक्रम का किया विशाल आयोजन

ब्यूरो इटावा एक्सप्रेस

इटावा 13 दिसंबर, 2024 सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन)

इटावा ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि दिनांक 13.12.2024 को नवीन मण्डी स्थल जनपद–इटावा में आदरणीय श्री अवनीश राय, जिलाधिकारी महोदय एवं आदरणीय श्री संजय कुमार वर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय की उपस्थिति में जनपद में संचालित ट्रैक्टर–ट्रालियों में रिफ्लेक्टिव टेप लगाने के जागरूकता कार्यक्रम का विशाल आयोजन किया गया। जिसमें किसान भाईयों से अपील की गयी कि वे अपने–अपने ट्रैक्टर–ट्रालियों में अनिवार्यरूप से रिफ्लेक्टिव टैप लगाये, रात्रि में बैक लाइट का प्रयोग करें, कोहरे में फॉग लाइट का प्रयोग करें, किसी भी तरह ट्रैक्टर–ट्रालियों में व्यक्तियों / यात्रियों को न बैठाये, दर्शनीय स्थल / मन्दिर दर्शन / मेला / नुमाइश आदि में ट्रालियों में सवारियां भरकर न ले जाये तथा यदि पुलिस प्रशासन का कोई अधिकारी / कर्मचारी इस प्रकार की सवारियों ढोने के लिये मना करें तो उसका सहयोग करें, उसका विरोध न करें, ओवरस्पीड में ट्रैक्टर न चलाये, ट्रालियों में ओवरलोड भार न लादे, कृषि कार्य हेतु पंजीकृत ट्रालियों का प्रयोग केवल कृषि कार्य हेतु ही करें, इनमें किसी भी प्रकार की सवारी / यात्री / व्यक्ति / बच्चे न बैठाये। इस आयोजन में आदरणीय जिलाधिकारी महोदय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय, पुलिस अधीक्षक यातायात महोदय, क्षेत्राधिकारी यातायात, उपनिरीक्षक यातायात महोदय एवं उनके स्टॉफ के साथ–साथ प्रदीप कुमार देशमणि, सहायक परिवहन अधिकारी (प्रशासन) इटावा, श्री वीरेन्द्र नाथ राजभर, यात्रीकर / मालकर अधिकारी जनपद इटावा, सचिव मण्डी, रियाज अहमद मण्डी इस्पेक्टर, प्रदीप त्रिपाठी मण्डी इस्पेक्टर एवं परिवहन विभाग जनपद–इटावा का समस्त स्टॉफ भागीदार रहा। इस आयोजन में लगभग 150 ट्रैक्टर–ट्रालियों में रिफ्लेक्टिव टेप लगाकर किसानों भाईयों के साथ–साथ ट्रैक्टर चालाक एवं ट्रैक्टर स्वामियों को सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत जागरूक किया गया।

# अब कपूर खानदान में शामिल मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस भी जगह जाते हैं उससे उनका नाता जुड़ जाता है। चाहे वह कोई राज्य हो या कोई शहर-कस्बा। जिस व्यक्ति से मिलते हैं उनके परिवार का हिस्सा बन जाते हैं । अब वे जिस नये कुटुम्ब का हिस्सा बन गये हैं वह है भारत का प्रथम सिनेमाई परिवार यानी श्कपूर खानदानश। अविभाजित पाकिस्तान के पेशावर से चलकर मुम्बई आये महान अभिनेता पृथ्वीराज कपूर ने हिन्दी सिनेमा को न केवल अपनी अदाकारी से समृद्ध किया, बल्कि होनहार कलाकारों की एक पीढ़ी अपने ही परिवार में तैयार कर भारतीय सिनेमा को सौंपी, जिसमें उनके तीनों पुत्र थे। शम्मी कपूर और शशि कपूर के अतिरिक्त शो मैन कहलाने वाले राजकपूर इसी परिवार की देन हैं। करोड़ों भारतीयों का 8 दशकों से मनोरंजन कपूर खानदान कर रहा है। अपनी अनेक फिल्मों में श्राजूश का नाम लेकर रूपहले पर्दे पर अवतरित होने वाले राज कपूर ने अपनी बेहतरीन पटकथाओं वाली फिल्में अभिनीत व निर्देशित कीं जिनमें भारतीय समाज के सुख-दुख के अलावा उसके सपनों के बनने और बिगड़ने को फिल्माया था। उन्होंने फिल्मों को खालिस मनोरंजन के माध्यम से बाहर निकालकर सामाजिक परिवर्तन का जरिया बनाया था। उन्हीं राज साहब की जन्म शताब्दी पर कपूर खानदान मुम्बई में एक कार्यक्रम कर रहा हैय और पूरा परिवार पीएम को बुधवार को आमंत्रित करने दिल्ली गया था। जब राज कपूर के पोते रणबीर कपूर (ऋ षि कपूर के बेटे) ने मोदी से कहा कि श्आने के पहले उनके परिवार के बीच इस बात को लेकर विमर्श होता रहा कि उन्हें क्या कहकर सम्बोन्धित करना होगा-मिस्टर प्राइम मिनिस्टर या प्रधानमंत्री जी... या कुछ और?श्इस पर अपनत्व दिखाते हुए मोदी ने पूरी विनम्रता के साथ कहा कि मैं इसी परिवार का हिस्सा हूं और आप मुझे कैसे भी सम्बोधित कर सकते हैं। देश के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा प्राप्त स्नेह से गदगद राज कपूर की पुत्री रीमा ने पीएम को धन्यवाद तो दिया ही, स्वयं इस परिवार से आमंत्रण पाकर व उससे जुड़कर मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर न केवल राजकपूर के जयंती समारोह की जानकारी साझा की बल्कि इस मुलाकात के हाईलाइट्स यानी झलकियां दिखाने वाली कई तस्वीरें भी डाली हैं। देश के लब्ध प्रतिष्ठित किसी खानदान द्वारा राष्ट्राध्यक्ष को बुलाना अजूबा नहीं, न ही किसी के द्वारा इस प्रकार की मुलाकातों से देश-दुनिया को अवगत कराना बेजा बात है। यह दीगर बात है कि सोशल मीडिया पर कई विघ्नसंतोषी इस मुलाकात एवं मोदी की भावाभिव्यक्ति की यह कहकर खिल्ली उड़ा रहे हैं कि उनके पास मणिपुर जाने का समय नहीं है लेकिन कपूर खानदान से मिलने का भरपूर वक्त हैश, या फिर श्क्या मणिपुर के पीड़ित उनके परिवार का हिस्सा नहीं हैं? हद तो तब कर दी गयी जब कुछ लोगों ने कहा कि अनेक कलाकारों के साथ सबसे बड़ा अभिनेता। खैर!

वैसे मोदी में यह अच्छी बात है कि वे ऐसी आलोचनाओं की परवाह न करते हुए समझदारी के साथ अपना परिवार चुनते रहते हैं या शामिल होते हैं। कभी कई बच्चों वाला अब्बास भी उनके परिवार का हिस्सा बन जाता है तो कभी महिला पहलवान उनके परिवार की सदस्य हो जाती हैं। यह अलग बात है कि वही अब्बास चुनाव के वक्त खलनायक बन जाता है जिसके समुदाय के लोगों की ओर संकेत कर मोदी लोगों को चेतावनी देते हैं कि श्यदि कांग्रेस आई तो मंगलसूत्र और भैंसें उन्हें दे दी जायेंगी। ऐसे ही, धरना-प्रदर्शन करते ही महिला पहलवान उनके परिवार से बाहर कर दी जाती हैं।श बहरहाल, जैसा कि पिछले दशक भर से देखा जा रहा है कि हर घटना, हर स्थल और हर व्यक्ति का एक सिरा सीधे-सीधे मोदी से जुड़ता है (या कहें कि जोड़ लिया जाता है), तो दूसरा सिरा किसी न किसी तरह से राजनीति से जुड़ता है। उनका सम्बन्ध पश्चिम बंगाल से वैसा ही निकल आता है जैसा महाराष्ट्र से। उनका बौद्ध धर्म से नाता निकल आता है तो संत रविदास से भी। मोदी तो यह तक बतला देते हैं कि चीनी यात्री ह्वैन सॉग शी जिनपिंग के गांव से होकर गुजरा था और उनके वडनगर तक आया था। उन्होंने राजस्थान के वीर लड़ाके महाराणा प्रताप के ऐतिहासिक महत्व के अश्व चेतक की मां गुजरात की बतलाई। नाते-रिश्तेदारी जोड़ने में निष्णात मोदी यदि कपूर खानदान के परिवार में स्वयं को समाहित करते हैं तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिये। मोदी ने इस अवसर पर बताया कि दिल्ली चुनाव हारने की निराशा से उबरने के लिये भारतीय जनता पार्टी के नेता व पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी और मार्गदर्शक लालकृष्ण आडवाणी ने राज कपूर की फिल्म नई सुबह होगी देखी थी जिसके बाद भाजपा की नई सुबह हुई और वह मौजूदा मुकाम पर खड़ी है। बकौल मोदी श्राज कपूर की फिल्मों में जिस सॉफ्ट पावर का इस्तेमाल हुआ उसी पर भारत की कूटनीति चलती है। कई विरोधाभासों की तरह यह नई जुड़ी नातेदारी भी बेहद विसंगतिपूर्ण है क्योंकि राज कपूर ने अपनी फिल्मों में मानवीय मूल्यों को आगे बढ़ाया है तथा समाज में व्याप्त अन्याय, गैरबराबरी तथा आम आदमी की दुश्वारियों का प्रस्तुतीकरण किया है। इसके विपरीत मोदी के विचार और उनके शासन काल में भारत एक बेहद असंवेदनशील समाज में परिवर्तित हो गया है। कपूर खानदान मे मोदी इसलिये शामिल हो चले हैं क्योंकि वह उस ग्लैमरस दुनिया का हिस्सा है जिसके मोदी हमेशा से मुरीद रहे हैं, फिर वह चाहे कलाकारों की दुनिया हो या अमीर व सफल खिलाड़ी अथवा कारोबारी व उद्योगपति।

## महानिरीक्षक आगरा रेंज आगरा द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद की उपस्थिति में थाना दक्षिण नालबन्द पुलिस चौकी का सौन्दर्यकरण कराकर लोकार्पण किया गया

ब्यूरो चीफ गौरव शर्मा इटावा एक्सप्रेस फिरोजाबाद

दिनांक 11–12–2024 को पुलिस महानिरीक्षक आगरा रेंज आगरा द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद की उपस्थिति में थाना दक्षिण नालबन्द पुलिस चौकी का सौन्दर्यकरण कराकर लोकार्पण किया गया इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी नगर, प्रभारी निरीक्षक दक्षिण व अन्य पुलिस अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहे। फिजियोथेरेपी सेन्टर उद्घाटन पुलिस महानिरीक्षक आगरा रेंज आगरा द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद की उपस्थिति में रिजर्व पुलिस लाइन फिरोजाबाद में अत्याधुनिक नवनिर्मित फिजियोथेरेपी सेन्टर का फीटा काटकर उद्घाटन किया गया है । फिजियोथेरेपी सेन्टर 50 वर्ष से अधिक उम्र वाले पुलिस कर्मियों के जोड़ो के दर्द की शिकायत की सुविधा के लिए एवं उनके परिवारीजनों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा । पुलिस कर्मियों, उनके परिवारों व पुलिस के खिलाडियों की सुविधा के लिए खोला गया फिजियोथेरेपी सेन्टर । फिजियोथेरेपी सेन्टर में आधुनिक थेरेपी मशीनों स्थापित की गयी है । पुलिस महानिरीक्षक आगरा रेंज आगरा द्वारा जिलाधिकारी फिरोजाबाद व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद की उपस्थिति में रिजर्व पुलिस लाइन फिरोजाबाद में बडे भोज का आयोजन भी किया गया । इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर / ग्रामीण समस्त क्षेत्राधिकारी तथा पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी / कर्मचारीगण मौजूद रहे । पुलिस लाइन में बड़ा खाना आयोजन, पुलिस विभाग की एक परंपरा है । इस परंपरा के तहत, पुलिस विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक साथ बैठकर भोजन किया । इस परंपरा का मकसद यह बताता है कि पुलिस विभाग में हर पुलिसकर्मी का काम समान रूप से महत्वपूर्ण होता है।

## गैंगस्टर एक्ट के सदस्य अभियुक्त गौरव यादव की चल सम्पत्ती को मौके पर जाकर कुर्क करते हुए की गयी जब्तीकरण की कार्यवाही

इटावा एक्सप्रेस फिरोजाबाद

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद सौरभ दीक्षित के निर्देशन में थाना एका पुलिस टीम द्वारा गैंगस्टर एक्ट के सदस्य अभियुक्त गौरव यादव की धारा 14(1) गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत मूल्य 85,000 रूपये (पिच्चासी हजार रूपये) की बुलेट मोटरसाइकिल (चल सम्पत्ती) को मौके पर जाकर कुर्क करते हुए की गयी जब्तीकरण की कार्यवाही । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में थाना एका पुलिस टीम द्वारा पूर्व में भी गौरव यादव की 14 लाख बावन हजार चार सौ सत्रह रूपये (14,52,417 रूपये) की अचल सम्पत्ती को कुर्क किया जा चुका है वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में अपराधियों पर लगातार की जा रही है धारा 14(1) के अन्तर्गत प्रभावी कार्यवाही । गैंग के सदस्य गौरव यादव पर हत्या, जानलेवा हमला, मारपीट आदि से सम्बन्धित गम्भीर अपराधों में आधा दर्जन से अधिक अभियोग हैं पंजीकृत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद श्री सौरभ दीक्षित द्वारा अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण फिरोजाबाद, क्षेत्राधिकारी जसराना के पर्यवेक्षण में थाना जसराना पुलिस टीम मय राजस्व टीम द्वारा सम्बन्धित मुकद्दमा 95 / 2024 धारा 2 / 3 गिरोहबंद एंव असामाजिक क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1986 थाना जसराना जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित गैंग के सदस्य अभियुक्त गौरव यादव पुत्र सुखवीर सिंह निवासी विलासपुर थाना जसराना फिरोजाबाद की अन्तर्गत धारा 14(1) गिरोहबंद एंव असामाजिक क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1986 में मूल्य 85 हजार रूपये (85,000 रूपये) की चल सम्पत्ती एक बुलेट मोटरसाइकिल नम्बर रायल इनफील्ड क्लासिक 350 बुलट संख्या यूपी 83 एएस5109 को कुर्क कर जब्तीकरण की कार्यवाही की गयी है ।

## सैदपुर विकास खण्ड महेवा के प्रधान पद पर निर्वाचित श्री कबीर चन्द्र का निर्वाचन अवैध घोषित किया गया

इटावा एक्सप्रेस

इटावा 12 दिसम्बर 2024 (अवनीश राय) जिला मजिस्ट्रेट ने अवगत कराया कि न्यायालय उपजिलाधिकारी भरथना के आदेश दिनांक 05.11.2024 द्वारा ग्राम पंचायत सैदपुर विकास खण्ड महेवा के प्रधान पद के निर्वाचन वर्ष 2021 में प्रधान पद पर निर्वाचित श्री कबीर चन्द्र का निर्वाचन अवैध घोषित किया गया है तथा याची ब्रह्मानन्द पुत्र रामेश्वर दयाल निवासी ग्राम खरगूपुर ग्राम पंचायत सैदपुर विकास खण्ड महेवा को उक्त कबीर चन्द्र के वाद सर्वाधिक 203 मत प्राप्त होने के कारण विधिवत ग्राम पंचायत सैदपुर विकास खण्ड महेवा जिला इटावा का निर्वाचित प्रधान घोषित किया गया है। न्यायालय उप जिलाधिकारी भरथना के निर्णय दिनांक 05.11.2024 के विरूद्ध श्री कबीर चन्द्र द्वारा माननीय न्यायालय जनपद न्यायाधीश, इटावा में सिविल निगरानी संख्या –36 / 2024 कबीर चन्द्र बनाम ब्रह्मानन्द अन्तर्गत धारा 12ग (6) उ. प्र.पं.रा.अधि.प्रस्तुत की गयी। जिसे दिनांकरू 27.11.2024 को जनपद न्यायाधीश महोदय, इटावा द्वारा निगरानी अंगीकृत कर पंजीकृत कर ली गई है तथा प्रकरण विचाराधीन है। अपर मुख्य सचिव उ० प्र० शासन पंचायती राज अनुभाग– 3 शासनादेश संख्या 32 / 2021 / 865 / 33–3–2021–43 / 2010 टी०सी० दिनांक 22.05.2021 के अनुपालन में न्यायालय उप जिलाधिकारी भरथना के आदेश दिनांक 05.11.2024 द्वारा घोषित ग्राम प्रधान श्री ब्रह्मानन्द पुत्र श्री रामेश्वर दयाल को प्रधान पद की शपथ दिलाई जानी है। ग्राम प्रधान सैदपुर विकास खण्ड महेवा को शपथ दिलाये जाने हेतु निम्नांकित अधिकारियों को नियुक्त किया जाता है श्री ब्रह्मानन्द पुत्र श्री रामेश्वर दयाल को ग्राम पंचायत सैदपुर विकास खण्ड महेवा के प्रधान पद हेतु खण्ड विकास अधिकारी महेवा / सहायक विकास अधिकारी महेवा द्वारा शपथ दिलाई जानी है। उपरोक्त नामित अधिकारी न्यायालय उपजिलाधिकारी भरथना के आदेश दिनांकरू 05.11.2024 द्वारा घोषित ग्राम प्रधान श्री ब्रह्मानन्द पुत्र श्री रामेश्वर दयाल को विकास खण्ड परिसर में अपनें स्तर से तिथि व समय निर्धारित करते हुए अपनें समक्ष प्रधान पद की शपथ दिलायेंगे। शपथ का प्रारूप पत्र के साथ संलग्न है। न्यायालय उपजिलाधिकारी भरथना द्वारा घोषित ग्राम प्रधान को निर्धारित प्रपत्र पर शपथ दिलाकर प्रधान पद का शपथ पत्र जिला पंचायत राज अधिकारी इटावा के कार्यालय में भेजा जायेगा। साथ ही ग्राम पंचायत सैदपुर मे श्री ब्रह्मानन्द पुत्र श्री रामेश्वर दयाल को प्रधान पद की शपथ माननीय निगरानी न्यायालय, जनपद इटावा के निर्णय के अधीन होगी।

# नकली चाय पत्ती से बढ़ रहा कैंसर का खतरा, चाय पीने से पहले जरूर करें ये टेस्ट

सर्दियों में एक कप गर्म चाय का मजा अलग ही होता है, लेकिन अगर वह चाय नकली चाय पत्ती से बनी हो, तो यह सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। ऐसी चाय पत्ती में खतरनाक केमिकल्स और मिलावट होने के कारण कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएसए) ने नकली चाय पत्ती की पहचान के लिए कुछ आसान जांच विधियां बताई हैं। आइए जानते हैं इन तरीकों को विस्तार से।

नकली चाय पत्ती के खतरे

नकली चाय पत्ती को गहरा रंग देने के लिए खतरनाक केमिकल्स जैसे बिस्मार्क ब्राउन, कोल टार डाई और सोपस्टोन का उपयोग किया जाता है। ये केमिकल न केवल किडनी डैमेज, पेट की समस्याएं और माइग्रेन का कारण बन सकते हैं, बल्कि कैंसर जैसे जानलेवा रोग का कारण भी बन सकते हैं। खासकर, कोलन कैंसर और पेट से संबंधित अन्य गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

कैसे करें नकली चाय पत्ती की पहचान?

पानी का टेस्ट करें

चाय पत्ती की शुद्धता की जांच का सबसे आसान तरीका है पानी का टेस्ट करना। थोड़ी चाय पत्ती लें और इसे एक साफ फिल्टर पेपर पर रखें। इसके ऊपर थोड़ा पानी छिड़कें और इसे 5-10 मिनट के लिए छोड़ दें। अगर पेपर पर गहरे काले या भूरे रंग का निशान दिखाई दे, तो यह इस बात का संकेत है कि पत्ती में मिलावट की गई है। असली चाय पत्ती कभी भी इस तरह का रंग नहीं छोड़ती। यह टेस्ट आपको तुरंत चाय पत्ती की शुद्धता के बारे में जानकारी देता है।

नॉर्मल पानी में चाय पत्ती डालें

एक और आसान तरीका है चाय पत्ती को नॉर्मल (ठंडे) पानी में डालकर जांच करना। एक गिलास ठंडे पानी में 1 चम्मच चाय पत्ती डालें। अगर पत्ती तुरंत रंग छोड़ने लगे, तो यह इस बात का संकेत है कि इसमें खतरनाक केमिकल कलर मिलाया गया है। असली चाय पत्ती केवल गर्म पानी में धीरे-धीरे रंग छोड़ती है। नकली चाय पत्ती में कोल टार डाई जैसे हानिकारक रसायन हो सकते हैं, जो सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक होते हैं।

लोहे के टुकड़ों की पहचान करें

चाय पत्ती के उत्पादन के दौरान मशीनों के कारण उसमें छोटे लोहे के टुकड़े मिल सकते हैं। यह टुकड़े शरीर के लिए बेहद हानिकारक हो सकते हैं। इनकी पहचान करने के लिए चाय पत्ती के ऊपर एक छोटा चुंबक चलाएं। अगर पत्ती में आयरन फिलिंग होगी, तो वह चुंबक पर चिपक जाएगी। यह जांच करना बेहद जरूरी है क्योंकि लोहे के ये टुकड़े शरीर में जाकर पेट की समस्या और अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

खुली चाय पत्ती खरीदने से बचें

रेहड़ी या बाजार में मिलने वाली खुली चाय पत्ती में मिलावट का खतरा सबसे अधिक होता है। यह न केवल अस्वच्छ होती है, बल्कि इसमें केमिकल्स और नकली सामग्री मिलाई जा सकती है। इसलिए हमेशा ब्रांडेड और सील पैक चाय पत्ती ही खरीदें। ब्रांडेड चाय पत्ती में क्वालिटी और शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

रंग देखकर पहचान करें

असली चाय का रंग प्राकृतिक और समान होता है, जबकि नकली चाय पत्ती का रंग असमान, गहरा और अधिक चमकदार हो सकता है। जब आप चाय बनाएं, तो इसका रंग और गंध ध्यान से जांचें। अगर चाय का रंग बहुत गहरा और चमकदार हो, तो यह मिलावट का संकेत हो सकता है।

किसी भी लक्षण को नजरअंदाज न करें

अगर चाय पीने के बाद आपको पेट दर्द, सिरदर्द, गैस, या किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या महसूस हो, तो इसे हल्के में न लें। तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। नकली चाय पत्ती में मौजूद केमिकल्स और मिलावट सेहत पर गंभीर असर डाल सकते हैं, जिसमें कैंसर तक का खतरा हो सकता है।

इन सावधानियों को अपनाकर आप न केवल अपनी सेहत की रक्षा कर सकते हैं, बल्कि कैंसर जैसी घातक बीमारियों से भी बच सकते हैं। चाय पत्ती की शुद्धता जांचने के ये सरल तरीके आपकी जिंदगी को स्वस्थ और सुरक्षित बनाए रखने में मदद करेंगे।

नोटः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के उद्देश्य से लिखा गया है। किसी भी समस्या के लिए डॉक्टर की सलाह लेना न भूलें। नकली खाद्य पदार्थों से बचें और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चाय की शुद्धता सेहत की सुरक्षा का पहला कदम है। सही कदम उठाएं और नकली चाय पत्ती से बचें।

# अदरक में गुड़ डालते ही फौरन मिलेगी ताकत और दर्द भी होगा छूमंतर, सर्दियों में एक साथ खाएं ये दोनों चीजें

सर्दियों के मौसम में लोग अदरक की चाय तो खूब पीते हैं, पर आपने कभी अदरक के साथ गुड़ खाया है। अगर नहीं तो आज ही इसे अपनी डाइट में शामिल कर लें। सर्दियों के मौसम में गुड़ और अदरक का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह न केवल आपके शरीर को गर्मी देता है, बल्कि इम्यूनिटी को भी मजबूत बनाता है। दोनों सामग्री प्राचीन आयुर्वेद में स्वास्थ्यवर्धक गुणों के लिए जानी जाती हैं। आइए जानते हैं इसके और भी फायदे

गुड़ और अदरक के संयुक्त सेवन के फायदे

इम्यूनिटी को बढ़ाता हैः गुड़ में आयरन, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे खनिज होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो सर्दी-जुकाम और गले की खराश से बचाव करते हैं।

पाचन को दुरुस्त करता हैः अदरक पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करता है और एसिडिटी, गैस और कब्ज से राहत दिलाता है। गुड़, भोजन को पचाने के लिए पाचन रसों के स्राव को बढ़ाता है। दोनों का संयोजन पाचन के लिए आदर्श है।

सर्दियों में शरीर को गर्मी देता हैः अदरक और गुड़ दोनों में थर्मोजेनिक गुण होते हैं, जो शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं। यह सर्दी के मौसम में ठंड से बचने और शरीर को ऊर्जा देने में मदद करता है।

जोड़ों के दर्द में राहतः अदरक का एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण गठिया और जोड़ों के दर्द में राहत प्रदान करता है। गुड़ कैल्शियम और पोटैशियम का अच्छा स्रोत है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

सर्दी-जुकाम और खांसी से राहतः गुड़ और अदरक का काढ़ा या मिश्रण पीने से बलगम कम होता है और गले की खराश में आराम मिलता है। यह फेफड़ों को साफ करने और सांस लेने में आसानी प्रदान करने में सहायक है।

रक्तचाप को नियंत्रित करता हैः गुड़ में पोटैशियम होता है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है। अदरक खून को पतला करता है, जिससे रक्त प्रवाह बेहतर होता है और हृदय स्वस्थ रहता है।

मासिक धर्म के दर्द में राहतः अदरक की गर्म तासीर मासिक धर्म के दौरान ऐंठन को कम करती है। गुड़, शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन बढ़ाता है, जो दर्द और मूड स्विंग्स में राहत देता है।

त्वचा को चमकदार बनाता हैः अदरक शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है, जिससे त्वचा साफ और चमकदार होती है। गुड़ में मौजूद मिनरल्स त्वचा को पोषण देकर इसे स्वस्थ बनाते हैं।

गुड़ और अदरक का सेवन कैसे करें?

गुड़-अदरक का मिश्रणरू गुड़ और कद्दूकस किए अदरक को मिलाकर छोटे लड्डू बना लें और रोजाना खाएं।

काढ़ारूगुड़ और अदरक को पानी में उबालकर काढ़ा बनाएं। यह सर्दी और गले की समस्याओं में उपयोगी है।

चायरू चाय में चीनी की जगह गुड़ और अदरक का इस्तेमाल करें।

खाली पेटरू गुड़ और अदरक का एक छोटा टुकड़ा सुबह खाली पेट खाने से दिनभर ऊर्जा मिलती है।

सावधानिया

- मधुमेह के मरीज गुड़ का सेवन सीमित मात्रा में करें।
- अधिक मात्रा में अदरक खाना पेट की जलन का कारण बन सकता है।
- गर्भवती महिलाएं डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसका सेवन करें।

# दिल्ली की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा?

दिल्ली में भाजपा के लिए यह चुनाव चुनौतीपूर्ण होने के साथ संघर्षपूर्ण भी है। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में, जहां पार्टी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, उसे आम आदमी पार्टी से हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए फरवरी 2025 या उससे पहले चुनाव होने की संभावनाओं को देखते हुए राजनीतिक हलचलें एवं सरगर्मियां उग्र हो गयी है। इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की तैयारी में जुट गई है। वहीं, भाजपा और कांग्रेस इस बार सत्ता में वापसी की तैयारी में जुटी है। भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव दूसरे प्रांतों की ही भांति बिना किसी मुख्यमंत्री चेहरे के लड़ने का मन बना चुकी है और केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी का मानना है कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित हो सकते हैं। दिल्ली में भाजपा के पास एक से एक मजबूत नेता हैं, लेकिन इनमें से कोई भी नेता मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी के लिए पेश नहीं किया जा रहा है। भाजपा दिल्ली में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए, नए, तरीके से चुनावी तैयारियों में जुट चुकी है, वहीं कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को हासिल करने के लिये जद्दोजहद करती हुई दिखाई दे रही है।

# कांबली ने तोड़ी चुप्पी, कपिल देव के प्रस्ताव को स्वीकार किया, 15वीं बार रिहैब में जाने को तैयार

**मुंबई।** विनोद कांबली ने कपिल देव की 1983 विश्व कप विजेता टीम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है और वह

रिहैबिलिटेशन में जाने के लिए तैयार हैं। कपिल एंड कंपनी कांबली को स्वस्थ होने में मदद करने के प्रस्ताव के साथ आगे आई थी। हालांकि, उन्होंने इसके लिए शर्त रखी थी कि वे केवल तभी जब कांबली की मदद करेंगे अगर वह फिर से रिहैब में जाने के लिए तैयार हों। कांबली ने पूर्व क्रिकेटरों के सुझाव का खुलकर स्वागत किया और कहा कि जब तक उनके साथ उनका यह परिवार है, उन्हें किसी चीज से डर नहीं लगता।

कांबली फिलहाल बेहद गंभीर स्थिति से गुजर रहे हैं। न सिर्फ स्वास्थ्य को लेकर बल्कि उनकी आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है। कांबली ने स्वीकार किया कि उनकी वित्तीय स्थिति गड़बड़ है। स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहे कांबली की आय का एकमात्र स्रोत बीसीसीआई की पेंशन है, जो प्रति माह 30,000 रुपये है। इस बात का खुलासा उन्होंने 2022 में खुद किया था। दो बच्चों की देखभाल करने के लिए कांबली 15वीं बार रिहैब में जाने के लिए तैयार हैं। कांबली पहले भी 14 बार रिहैब में जा चुके हैं, लेकिन तब कुछ सुधार नहीं हुआ था। हालांकि, अब उन्हें लगता है कि यदि रिहैब से उनकी शारीरिक और वित्तीय दोनों स्थिति में सुधार होता है, तो वह इसे एक और मौका देने के लिए तैयार हैं। मौजूदा स्थिति को लेकर क्या बोले कांबली कांबली से जब उनकी मौजूदा वित्तीय स्थिति के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'बहुत बुरी स्थिति है।' कांबली ने विक्की लालवानी के यूट्यूब चैनल पर बोला, 'लेकिन जिस तरह से मेरी पत्नी ने सबकुछ संभाला, उन्हें सलाम है। सुनील गावस्कर ने सबसे पहले कपिल देव की पेशकश पर प्रतिक्रिया दी थी। निश्चित रूप से मुझे कोई हिचकिचाहट नहीं है रिहैब में जाने से, क्योंकि जब तक मेरे साथ मेरा परिवार है, मैं किसी भी चीज से नहीं डरता हूं। मैं इसे पूरा करूंगा और वापस आऊंगा।' दो हफ्ते पहले सुर्खियों में आए कांबली कांबली करीब दो सप्ताह पहले उस समय सुर्खियों में आए थे जब रमाकांत आचरेकर के स्मारक के अनावरण के दौरान उनका एक वीडियो सामने आया था। कांबली संघर्ष करते दिख रहे थे। उनकी हरकतों से उनके स्वास्थ्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। इस वीडियो के सामने आने के बाद 48 घंटों से भी कम समय में भारतीय क्रिकेट बिरादरी कांबली की मदद के लिए एक साथ आई। गावस्कर से लेकर कपिल देव तक ने मदद की पेशकश की थी। 1983 विश्व विजेता भारतीय टीम ने एक साथ कांबली की मदद की बात कही थी और साथ ही वित्तीय सहायता देने की भी बात कही थी। 1983 का विश्व कप दल अकेला नहीं था जिसने कांबली से संपर्क किया था। उनके प्रिय मित्र और भारतीय टीम के पूर्व साथी अजय जडेजा ने भी कुछ समय पहले उनसे मुलाकात की थी और उनसे स्वस्थ होने का आग्रह किया था। कांबली को भरोसा है कि जरूरत पड़ने पर बीसीसीआई भी उनसे संपर्क करने के लिए आगे आएगा। इस साल की शुरुआत में बोर्ड ने अंशुमन गायकवाड़ के इलाज के लिए एक करोड़ रुपये दिए थे।

## बड़ौदा को हराकर फाइनल में पहुंचा मुंबई, लगातार दूसरे मैच में चला रहाणे का बल्ला

**बंगलूरु।** बड़ौदा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 158 रन बनाए, जवाब में मुंबई ने 17.2 ओवर में चार विकेट पर 164 रन बनाकर मैच जीत लिया। मुंबई की जीत में रहाणे की भूमिका अहम रही जिन्होंने 56 गेंदों पर 11 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 98 रन बनाए। मुंबई ने अजिंक्य रहाणे की दमदार पारी से बंगलूरु में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में बड़ौदा को छह विकेट से

हराकर सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। बड़ौदा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 158 रन बनाए, जवाब में मुंबई ने 17.2 ओवर में चार विकेट पर 164 रन बनाकर मैच जीत लिया। मुंबई की जीत में रहाणे की भूमिका अहम रही जिन्होंने 56 गेंदों पर 11 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 98 रन बनाए। रहाणे का बल्ला लगातार दूसरे मैच में चला है। इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में भी अर्धशतक लगाया था और टीम की जीत में अहम योगदान दिया था। रहाणे धीरे-धीरे शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन अभिमन्यु सिंह की गेंद पर वह आउट हो गए और शतक लगाने से चूक गए। रहाणे का बल्ला इस टूर्नामेंट में जमकर गरजा है। रहाणे के अलावा कप्तान श्रेयस अय्यर ने 30 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 46 रन बनाए।

## अप्रैल से नवंबर 2024 के बीच जीएसटी संग्रह 9 फीसदी बढ़ा, 14.56 लाख करोड़ पर पहुंचा आंकड़ा

**नई दिल्ली।** चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अब तक वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 9.3 प्रतिशत बढ़कर 14.56 लाख करोड़ रुपये हो गया है। पिछले साल अप्रैल-नवंबर की अवधि में कर संग्रह 13.32 लाख करोड़ रुपये था। जीएसटी संग्रह में उछाल भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक है। आइए जानते हैं क्या कहते हैं जीएसटी से जुड़े आंकड़े। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अब तक वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 9.3 प्रतिशत बढ़कर 14.56 लाख करोड़ रुपये हो गया है। पिछले साल अप्रैल-नवंबर की अवधि में कर संग्रह 13.32 लाख करोड़ रुपये था। जीएसटी संग्रह में उछाल भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक है। यह इजाफा मजबूत घरेलू खपत और उछाल वाली आयात गतिविधियों के कारण संभव हुआ है। ये आंकड़े देश के राजकोषीय स्वास्थ्य और आर्थिक सुधार प्रयासों के लिए अच्छे हैं, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच लचीलेपन का संकेत देते हैं। इस साल अप्रैल में कुल जीएसटी संग्रह 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान कुल सकल जीएसटी संग्रह 20.18 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.7 प्रतिशत अधिक है। देश में 1 जुलाई 2017 से वस्तु एवं सेवा कर लागू किया गया था। आम लोगों को राहत देने के लिए हेयर ऑयल, टूथपेस्ट, साबुन, डिटर्जेंट और वाशिंग पाउडर, गेहूं, चावल, दही, लस्सी, छाछ, कलाई घड़ी, 32 इंच तक के टीवी, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन, मोबाइल फोन जैसी चीजों पर जीएसटी दरों में काफी कटौती की गई है या कुछ पर इसे शून्य स्तर पर रखा गया है। सितंबर में पिछली जीएसटी परिषद की बैठक में, नमकीन उत्पादों के लिए कर की दर 18 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत कर दी गई थी। तीन प्रमुख कैंसर दवाओं पर कर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया था।

# संसदीय समिति ने कम मनरेगा मजदूरी पर जताई चिंता, पूछा- महंगाई सूचकांक से क्यों नहीं जोड़ रहे मेहनताना

**नई दिल्ली।** मनरेगा के तहत कम मजदूरी पर चिंता जताते हुए एक संसदीय समिति ने सवाल उठाया है कि इस प्रमुख योजना के तहत पारिश्रमिक

को मुद्रास्फीति सूचकांक से क्यों नहीं जोड़ा जा रहा। समिति ने केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय से इस योजना के तहत मजदूरी बढ़ाने के लिए एक तंत्र तैयार करने का भी अनुरोध किया। कांग्रेस सांसद सप्तगिरि शंकर उलाका की अध्यक्षता वाली ग्रामीण विकास और पंचायती राज संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने गुरुवार को लोकसभा में पेश अपनी रिपोर्ट में मंत्रालय की आलोचना की और कहा कि उसके रुख में कोई उल्लेखनीय बदलाव नहीं आया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वेतन संशोधन के संबंध में सरकार श्रूढ़ीवादी प्रतिक्रियाएंश् दे रही है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा, श्चाहे शहरी हो या ग्रामीण, महंगाई और जीवन-यापन की लागत कई गुना बढ़ गई है और यह सभी के लिए स्पष्ट है। यहां तक कि इस समय भी, मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) की अधिसूचित मजदूरी दरों के अनुसार, कई राज्यों में प्रति दिन लगभग 200 रुपये की मजदूरी किसी भी तर्क को चुनौती देती है, जबकि उसी राज्य में श्रम दरें इससे कहीं अधिक हैं।श् समिति ने कहा, श्यह समझ से परे है कि मनरेगा के तहत मजदूरी को अभी भी मौजूदा मुद्रास्फीति के अनुरूप उपयुक्त सूचकांक से क्यों नहीं जोड़ा जा सका है। विभिन्न क्षेत्रों से मनरेगा के तहत मजदूरी में वृद्धि की मांग को देखते हुए समिति ग्रामीण विकास विभाग साफ तौर पर अपने रुख पर फिर से विचार करने और मनरेगा के तहत मजदूरी बढ़ाने के लिए एक तंत्र विकसित करने का आग्रह करती है।श् समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न राज्यों में मजदूरी में असमानता भी चिंता का विषय है। संविधान के अनुच्छेद 39 का खंड (डी) राज्य की ओर से अपनाए जाने वाले नीति के कुछ सिद्धांतों को निर्देशित करता है, जिसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए समान कार्य के लिए समान वेतन का प्रावधान है। रिपोर्ट में कहा गया है, श्मनरेगा के तहत विभिन्न राज्यों के लिए अलग-अलग मजदूरी नहीं हो सकती। समिति संविधान के अनुच्छेद 39 के तहत मजदूरी में समानता लाने के लिए दृढ़ता से अनुशंसा करती है। मनरेगा लाभार्थियों को बिना किसी असमानता के मजदूरी का भुगतान किया जाना चाहिए, ताकि सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में मनरेगा के तहत मजदूरी में समानता लाई जा सके।श् समिति ने यह भी सिफारिश की है कि विभाग इस योजना के वित्तीय प्रबंधन को दुरुस्त करे और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) के क्रियान्वयन में जमीनी स्तर पर व्याप्त भ्रांतियों पर अपनी पकड़ मजबूत करे, ताकि मजदूरी और सामग्री संबंधी लंबित भुगतानों को जल्द से जल्द समाप्त किया जा सके।

# 2000 से 2024 के बीच देश में एफडीआई एक हजार अरब डॉलर के पार

## कहां से कितना निवेश आया

**नई दिल्ली।** भारत ने इस हफ्ते दुनिया के शीर्ष निवेश गंतव्य के रूप में एक मील का पत्थर पार कर लिया। नए आंकड़ों के अनुसार सदी की शुरूआत से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का आंकड़ा हजार अरब डॉलर के पार चला गया है। भारत विदेशी निवेशकों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य रहा है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग या डीपीआईआईटी की ओर से जारी आंकड़ों से पता चला है कि इक्विटी, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी

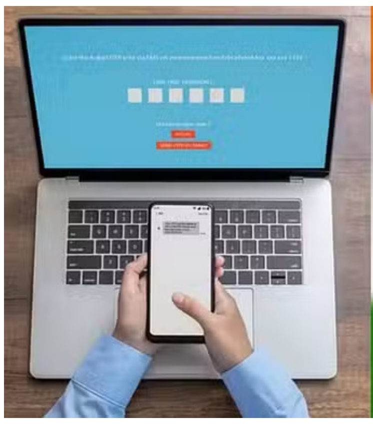

सहित एफडीआई की संचयी राशि अप्रैल 2000 और सितंबर 2024 के बीच 1,033.40 बिलियन अमरीकी डॉलर (या 1 ट्रिलियन डॉलर) रही। भारत, जो पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था है, का समग्र सकल घरेलू उत्पाद 2024 में लगभग 3.89 ट्रिलियन डॉलर होगा। यह 2014 में लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर हुआ करता था सबसे अधिक एफडीआई किन देशों से आया? भारत में एफडीआई के मामले में सबसे ज्यादा अमेरिका या चीन से नहीं आया, बल्कि यह योगदान मॉरीशस ने दिया है- कुल एफडीआई प्रवाह का 25 प्रतिशत हिस्सा यहीं से आया। मॉरीशस के बाद सिंगापुर का स्थान रहा, जहां से 24 प्रतिशत एफडीआई आया। संयुक्त राज्य अमेरिका इस मामले में 10 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रहा। जिन अन्य देशों ने भारत में महत्वपूर्ण निवेश किया है उनमें नीदरलैंड (7 प्रतिशत), जापान (6 प्रतिशत), यूके (5 प्रतिशत), संयुक्त अरब अमीरात (3 प्रतिशत) तथा केमैन द्वीप, जर्मनी और साइप्रस (2-2 प्रतिशत) शामिल हैं। किन क्षेत्रों में सबसे बड़ा निवेश हुआ? जिस क्षेत्र में सबसे ज्यादा निवेश हुआ, वह सेवा और संबद्ध क्षेत्र था। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, दूरसंचार, व्यापार, निर्माण, बुनियादी ढांचे के विकास, ऑटोमोबाइल, रसायन और फार्मास्यूटिकल्स में महत्वपूर्ण निवेश हुआ। बीते एक दशक में एफडीआई प्रवाह कितना बढ़ा? 1,033 बिलियन डॉलर में से, 667.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर 2014 से 2024 के बीच पिछले दस वर्षों में आए, जो पिछले दशक की तुलना में निवेश में 119 प्रतिशत अधिक है। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि भारत के 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 60 क्षेत्रों में एफडीआई प्रवाह आया है। समय के साथ अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए भारत ने अपनी निवेश नीतियों को उदार और आकर्षक बनाया है।

# महाकुंभ में हर घर जल गांव बसाएगी योगी सरकार, बनेगा जल मंदिर

**लखनऊ।** योगी सरकार महाकुम्भ- 2025 में श्हर घर जल गांवश बसाएगी। पेयजल का समाधान, मेरे गांव की पहचान थीम पर यह श्गांवश 40 हजार वर्ग फिट एरिया में बसेगा। इसमें एक तरफ जहां जल जीवन मिशन बुंदेलखंड में हर घर तक नल से जल पहुंचाने की कहानी सुनाई जाएगी, वहीं दूसरी तरफ महाकुम्भ में नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के नए गांवों की सफलता की दास्तां से श्रद्धालु, पर्यटक व कल्पवासी परिचित होंगे। ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग महाकुम्भ में इसकी तैयारी कर रहा है। कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में योगी सरकार के प्रयास से पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। सफलता की इस कहानी को लेकर पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान थीम पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी 5 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगी। 51 दिन तक

चलने वाली प्रदर्शनी में अलग-अलग कार्यक्रम भी होंगे। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड के ग्रामीण महिलाओं को मंच मुहैया कराया जाएगा, जिसमें वे बुंदेलखंड में बदलाव की कहानी बयां करेंगी।बांदा, झांसी, चित्रकूट के जिन गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी, वहां भी योगी सरकार ने ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल पहुंचाया। ललितपुर व महोबा के उन गांवों की महिलाएं, पानी ढोने के कारण जिनके सिर से बाल गायब हो गए थे। वे भी डबल इंजन सरकार के अतुलनीय कार्य को महाकुम्भ में शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी को बयां करेंगी।ललितपुर से सटे मध्य प्रदेश के बॉर्डर के श्बाल विहटश गांव में एक ही कुआं था। इसमें सांप रहते थे, इसके बावजूद यहां के लोग कभी उसी कुएं का पानी पीते थे। मोदी-योगी सरकार ने इस गांव के लोगों को भी शुद्ध पेयजल पहुंचाया। यहां के ग्रामीण भी बदलाव की गाथा बयां करेंगे। महाकुम्भ में देश के विभिन्न राज्यों व हिस्सों से श्रद्धालु, पर्यटक आएंगे। इसलिए प्रदर्शनी में हर जानकारी बहुआयामी भाषाओं में मिलेगी। यहां हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलगू व मराठी में लोग जल जीवन मिशन के माध्यम से बदले यूपी के बारे में अवगत हो सकेंगे। प्रदर्शनी में जल जीवन मिशन से विंध्य-बुंदेलखंड में आए बदलाव को लेकर सफलता की कहानी का भी संकलन पुस्तक के माध्यम से प्रदर्शित होगा। ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग की तरफ से महाकुम्भ में जल मंदिर भी बनाया जाएगा। श्जल मंदिरश में भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर आएंगी। इसके जरिए संदेश दिया जाएगा कि जल प्रसाद है। जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद न करें, बल्कि इसका संरक्षण करें। श्जल मंदिरश में सुबह-शाम जल आरती भी होगी। इस आरती में जल जीवन मिशन की गाथा, जल संरक्षण का संदेश भी होगा।

# योगी सरकार का किसानो को तोहफा, कर्ज माफ

**लखनऊ।** किसाने को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार कई योजना चला रही है। इन योजनाओ का मकसद कृषको की आर्थिक मदद करने के साथ ही उन्हें विकसित बनाना है। खेती के लिए मुफ्त बीज से लेकर यंत्र खरीदने में सब्सिडी, किसान सम्मान निधि के साथ अलग-अलग योजनाओं को संचालित किया जा रहा है। यूपी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। इस फैसले के तहत किसानों का सारा कर्जा ही माफ कर दिया यानि उनकी जिंदगी भर की चिंता को पलभर में खत्म कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के राज्य किसान ने कृषि लोन लिया है तो सरकार द्वारा किसानों का लोन माफ किया जा रहा है। किसानों के लिए सबसे बड़ी मुश्किल होती है अपनी खेती के लिए लिया लिया गया लोन। कई बार खेती ठीक से नहीं हो पाती है या फिर मौसम की मार पड़ने से किसानों को फसल का सही मुआवजा ही नहीं मिल पाता। नतीजा किसान कर्ज के बोझ के तले दबता जाता है। ऐसे में किसानों को इस बोझ से मुक्त करने के लिए योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। किसानों को कर्ज माफ करने का फैसला लिया है। किसानों को अपने कर्ज माफी को लेकर जानकारी चाहिए तो वह जो भी लाभार्थी किसान हैं वह नचापेंदांतरतींज.नचेकब.हवअ.पद आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना नाम आसानी से चेक कर सकते हैं।यूपी सरकार की ओर से चलाई जा रही किसान कर्ज माफी योजना के तहत छोटे और सीमांत किसानों को फोकस किया जा रहा है। ऐसे में सरकार इसके तहत 1 लाख रुपए तक का लोन पूरी तरह माफ कर रही ह। इस योजना का लाभ उत्तर प्रदेश के किसान आसानी से उठा सकते हैं। इसके तहत किसान की उम्र 18 वर्ष से अधिक होना चाहिए। उस पर 1 लाख रुपए से ज्यादा का कर्ज नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही ये किसान सरकारी कर्मचारी या पेंशनधारी नहीं होना चाहिए।

# भाजपा विधायक ने किया गैंगरेप, पुलिस की मदद से करोड़ों की जमीन कब्जाई

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले की एक विशेष अदालत ने बिल्सी विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के विधायक हरीश शाक्य समेत 16 लोगों के खिलाफ गैंगरेप और करोड़ो की धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। एसीजेएम 2, विशेष न्यायाधीश एमपी एमएलए कोर्ट लीलू चौधरी ने मामले की सुनवाई के दौरान यह आदेश जारी किया। यह मामला जमीनी विवाद और बलात्कार से जुड़ा है, जिसमें पीड़िता के पति ने कोर्ट में न्याय की गुहार लगाई थी। पीड़िता के पति और मुकदमे के वादी व विधायक के खिलाफ शिकायत करने वाले ललित कुमार का आरोप है कि शहर के निकट गांव बुधबाई में पूनम लॉन के पास उसके पिता ने काफी समय पहले जमीन खरीदी थी। यह इलाका सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में आता है और जमीन की कीमत करोडों रुपए में है।वादी का आरोप है कि हरीश शाक्य के गुर्गो ने उस पर जमीन बेचने का दवाब बनाया और लगभग 18 करोड रुपए की जमीन की कीमत 16 करोड़ 50 लाख रुपये में सौदा तय हो गया। जमीन की कीमत का 40 फीसदी एग्रीमेंट के वक्त देना तय हुआ मगर कुछ दिन बाद ही बिना 40 फीसदी दिए विधायक और उनके गुर्गे एग्रीमेंट का दबाव बनाने लगे। रकम लिए बिना एग्रीमेंट नहीं करने पर पुलिस ने शिकायतकर्ता के चचेरे भाई को उठा लिया और उसे प्रताड़ित किया। इससे परेशान होकर पांच अगस्त 2022 को चचेरे भाई ने आत्महत्या कर ली। इसकी शिकायत देने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। इस बीच विधायक ने शिकायतकर्ता की चाची को जमीन में हिस्सा देने के नाम पर अपने साथ मिला लिया। इसके बाद चाचा ने शिकायतकर्ता और उसके पिता के खिलाफ बेटे की हत्या का केस दर्ज कर दिया। शिकायतकर्ता ने जमीन दूसरे बिल्डर को बेचने की कोशिश की लेकिन विधायक के लोगों ने उसे जमीन नहीं बेचने दी। इसमें कानूनी अड़चन लगा दी गई, साथ ही चचेरे भाई की पत्नी की ओर से गैंगरेप का केस दर्ज कर दिया गया।इस बीच पुलिस ने तीन दिन तक शिकायतकर्ता को कस्टडी में रखकर पीटा। बाद में विधायक के लोग उसे पुलिस से छुड़ाकर अपने साथ ले गए और उसको प्रताड़ित किया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसकी पत्नी से विधायक समेत उनके साथियों ने गैंगरेप भी किया। इस फैसले के बाद विधायक हरीश शाक्य और उनके सहयोगियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कोर्ट के आदेश ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हलचल मचा दी है। कोर्ट ने थाना सिविल लाइंस पुलिस को 10 दिन के अंदर मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। पीड़िता और उनके परिवार ने न्याय मिलने की उम्मीद जताई है। बदायूं के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया है कि अभी उन्हें आदेश प्राप्त नहीं हुआ है सअदालत का आदेश प्राप्त होने के पश्चात मुकदमा दर्ज कर उचित वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। भाजपा विधायक हरीश शाक्य ने कहा है कि उन्हें अदालत द्वारा मुकदमे के आदेश किए जाने की कोई जानकारी नहीं हैस कोई मुकदमा दर्ज करने के कोर्ट द्वारा आदेश किए गए हैं तो वे पुलिस प्रशासन का हर तरह का सहयोग करने को तैयार है।शाक्य ने कहा है कि उन्हें न्यायपालिका और पुलिस प्रशासन पर पूर्ण भरोसा है और उन्हें पूरी उम्मीद है कि उन्हें न्याय मिलेगा।

# आदर्श व्यापारी एसोसिएशन में कंबल और गरम कपड़े बांटेगा

**लखनऊ।** लखनऊ में आदर्श व्यापारी एसोसिएशन इंदिरा नगर इकाई की बैठक संरक्षक जीतेंद्र सिंह के कार्यालय पर आयोजित हुई। बैठक के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी और मैक्स लाइफ इंश्योरेंस के सीनियर ब्रांच मैनेजर अंबरीश यादव मौजूद रहे थे। बैठक में लखनऊ के विभिन्न इलाकों में गर्म कपड़े और कंबल बांटने का निर्णय लिया गया। प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने बताया कि पिछले कई वर्षों से आदर्श व्यापारी एसोसिएशन धर्म और जाति से ऊपर उठकर ठंड के मौसम में इस तरह का कार्य करता आ रहा है। इससे जरूरतमंदों को राहत मिल सके। बैठक में मैक्स लाइफ इंश्योरेंस के अंबरीश यादव ने व्यापारी हित टर्म योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसमें बताया गया कि अगर किसी व्यापारी के साथ दुर्घटना होती है तो उसके परिवार की सुरक्षा और आर्थिक मदद की जिम्मेदारी मैक्स लाइफ की होगी। बैठक में इंदिरा नगर इकाई की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए सिताशु सोनकर को उप सचिव नियुक्त किया गया। इस मौके पर इंदिरा नगर इकाई के अध्यक्ष आकाश अग्रवाल ने सभी व्यापारियों का आभार व्यक्त किया और उनके सहयोग से बैठक को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष आकाश अग्रवाल, संरक्षक जीतेंद्र सिंह, प्रीतम गुप्ता, रघुवीर सिंह, अरुण मिश्र, अनुज चौधरी, देवराज सिंह, सत्यनारायण गुप्ता, ओम प्रकाश सोनी, सुनील रावत, यशपाल सिंह, शरद मेहरोत्रा, आशुतोष अवधवाल, अमित बरनवाल, सितांशु सोनकर और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# 25 हजार का इनामी बदमाश अमित रस्तोगी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

**लखनऊ।** डीसीपी उत्तरी की क्राइम टीम और बीकेटी पुलिस ने एक संयुक्त ऑपरेशन में बड़ी सफलता हासिल की है। दो दर्जन से अधिक आपराधिक मामलों में वांछित और 25 हजार के इनामी बदमाश अमित रस्तोगी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान अमित रस्तोगी घायल हो गया, जबकि उसका साथी राहुल गौतम मौके से फरार होने में कामयाब रहा। बीकेटी थाना क्षेत्र के अस्ति रोड मोड़ पर डीसीपी उत्तरी की क्राइम टीम प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह और बीकेटी थाना प्रभारी की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुख्यात बदमाश अमित रस्तोगी इस क्षेत्र में अपने साथी के साथ किसी अपराध को अंजाम देने की योजना बना रहा है। पुलिस टीम ने जैसे ही अमित रस्तोगी को घेरने की कोशिश की, बदमाश ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें अमित रस्तोगी को गोली लगी और वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे मौके पर ही दबोच लिया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। गिरफ्तार अमित रस्तोगी के पास से एक देसी पिस्तौल, जिंदा कारतूस, मोटरसाइकिल और अन्य संदिग्ध सामान बरामद किया गया है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि वह इन हथियारों और वाहनों का इस्तेमाल किन आपराधिक गतिविधियों में कर रहा था। डीसीपी उत्तरी की क्राइम टीम और बीकेटी पुलिस की इस कार्रवाई को एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। क्राइम टीम प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह और बीकेटी थाना प्रभारी की सूझबूझ और सतर्कता से इस खतरनाक अपराधी को पकड़ा जा सका। अमित रस्तोगी के खिलाफ लूट, हत्या के प्रयास, अपहरण, अवैध वसूली और हथियारों की तस्करी समेत 24 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से पुलिस की नजरों से बचता रहा था और कई मामलों में वांछित था। पुलिस अब अमित रस्तोगी के फरार साथी राहुल गौतम की तलाश में जुट गई है। डीसीपी उत्तरी ने बताया कि फरार अपराधी को पकड़ने के लिए जगह-जगह छापेमारी की जा रही है। डीसीपी उत्तरी और बीकेटी पुलिस की इस कार्रवाई ने यह साबित किया है कि कानून से बड़ा कोई नहीं है। यह कार्रवाई लखनऊ पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। कुख्यात अपराधियों के खिलाफ पुलिस की ऐसी त्वरित कार्रवाई से अपराधियों में डर और जनता में सुरक्षा की भावना पैदा होती है। अब देखना होगा कि अमित रस्तोगी और उसके फरार साथी से जुड़ी जांच और क्या खुलासे करती है।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक, सम्पादक राजीव कुमार के लिए शिवम ऑफसेट अशोक नगर भरथना रोड इटावा उत्तर प्रदेश से छपकर इटावा से प्रकाशित सम्पादक राजीव कुमार संपर्क सूत्र 9219240048
नोट अखबार में प्रकाशित समस्त रचनाओं के विचार व दायित्व लेखीय है सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है इटावा एक्सप्रेस अखबार से संबंधित सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र इटावा उत्तर प्रदेश रहेगा
शीर्षक कोड UPHIN50151. Email etawahexpress24@gmail.com , Website. www.etawahexpress.com